

अनुगामिनी

न चुनाव लड़ूंगा, न किसी पार्टी में होऊंगा शामिल : सत्यपाल मलिक 3 ट्विन सिटी, मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी हब होगा गुजरात : पीएम मोदी 8

मेरे खिलाफ लगे इसाई धर्म को बढ़ावा देने के आरोप निराधार : खालिंग

कहा- अगर मेरे खिलाफ सबूत हैं तो दायर करें मुकदमा

अनुगामिनी का.सं.
गंगटोक, 30 सितम्बर । सिक्किम में इसाई धर्म को बढ़ावा देने हेतु अपने पद का इस्तेमाल करने के आरोपों से घिरे मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग ने शुक्रवार को भाजपा के एक विधायक को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनके पास इसके सबूत हैं, तो वह इसके

खिलाफ अदालत में केस दर्ज करें। जैकब खालिंग ने आज यहां एक बयान में अपने खिलाफ लगे आरोपों के निराधार होने का दावा करते हुए कहा कि उन्होंने सिक्किम के सभी लोगों की सेवा की है और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के तौर पर अपनी नियुक्ति के बाद से कभी भी धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया है।

गौरतलब है कि दिल्ली के वकील तथा विश्व हिंदू परिषद नेता आलोक कुमार ने हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर दावा किया है कि उन्हें सिक्किम के भाजपा विधायक नरेंद्र कुमार सुब्बा से प्राप्त न्यूज क्लिपिंग से जानकारी मिली है कि जैकब खालिंग राज्य में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए इसाई धर्म का प्रचार-प्रसार करने और धर्मांतरण में सक्रिय हैं।

इस सम्बंध में खालिंग ने कहा कि वह इस आरोप के बारे में जानकर

स्तब्ध और दुखी हैं। अपने फेसबुक पोस्ट में उन्होंने कहा, यदि ऐसा कोई उदाहरण है, जहां मैंने किसी अन्य धर्म के खिलाफ या किसी धर्म विशेष को बढ़ावा देने के लिए अपनी राजनीतिक स्थिति का इस्तेमाल किया हो, तो मैं एनके सुब्बा को मेरे खिलाफ मामला दर्ज करने की चुनौती देता हूँ। इसके साथ ही सीएम के राजनीतिक सचिव ने भाजपा विधायक नरेंद्र कुमार सुब्बा द्वारा 29 सितंबर को गृह मंत्री शाह को लिखा पत्र भी अपलोड किया है।

उल्लेखनीय है कि उक्त पत्र में भाजपा विधायक कुमार ने कहा है, मेरा मानना है कि मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव का कार्यभार और इसाई धर्म को बढ़ावा देने में लगे एक पादरी की जिम्मेदारी, दो अलग-अलग चीजें हैं। इन दोनों को मिलाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

इस सम्बंध में खालिंग ने आगे आरोप लगाया कि देन्ताम क्षेत्र के भाजपा विधायक सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा द्वारा शासित इस राज्य में इस प्रकार के 'निराधार' आरोप लगाकर सांप्रदायिक विद्वेष पैदा करने की

कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने सभी धर्मों के धार्मिक आयोजनों में अत्यंत सम्मान और ईमानदारी के साथ भाग लिया है। मेरे फेसबुक पेज पर डाली गयीं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की तस्वीरें इसका प्रमाण हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सिक्किम के साथ ही पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के पहाड़ी जिलों दार्जिलिंग और कालिम्पोंग में इसाई धर्म का उत्थान उनके जन्म से भी पहले से रहा है। ऐसे में इसके लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराना अनुचित है।



इधर भाजपा विधायक सुब्बा ने अपने खिलाफ जैकब खालिंग के बयानों पर कोई भी टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। गौरतलब है कि पवन चामलिंग के नेतृत्व वाली राज्य की पूर्ववर्ती सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार में मंत्री रहे सुब्बा तीन साल पहले नौ अन्य विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे।

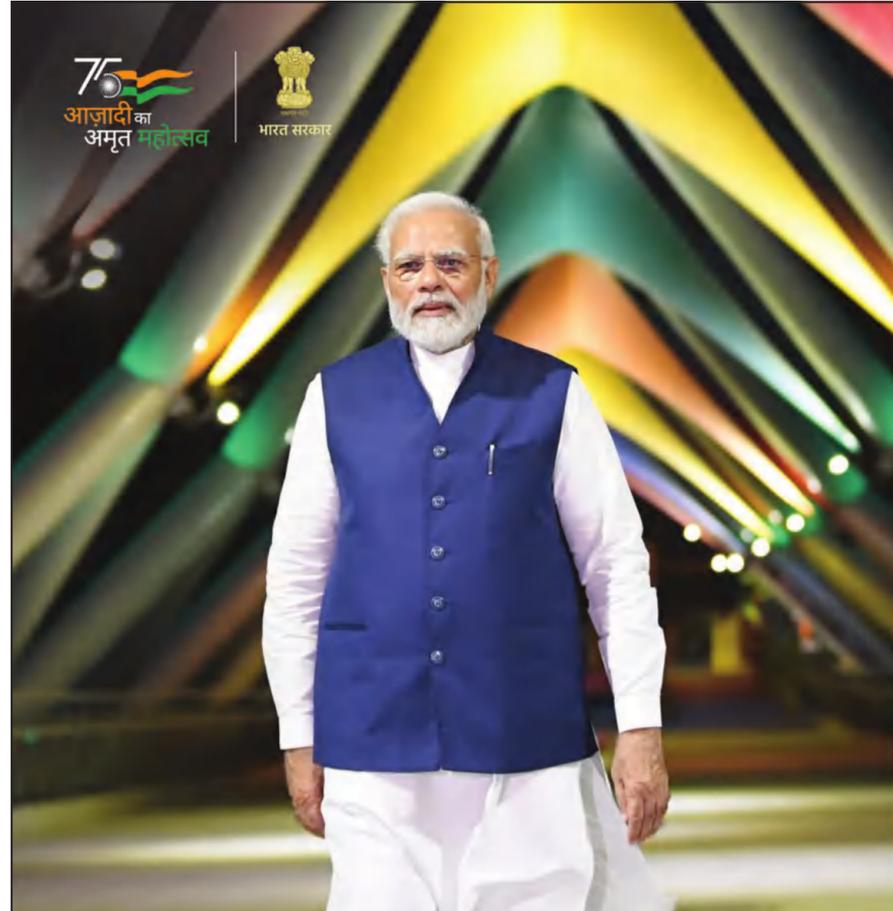
एमएसएमई के लिए समाप्त तिमाही की आरबीआई ने की समीक्षा बैठक



अनुगामिनी का.सं.
गंगटोक, 30 सितम्बर । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), गंगटोक द्वारा आज स्थानीय टाउन हॉल में एमएसएमई क्षेत्र के लिए 30 सितंबर, 2022 को समाप्त तिमाही को लेकर एक बैठक की गयी। आरबीआई गंगटोक के महाप्रबंधक और प्रभारी अधिकारी किशोर परियार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राज्य के वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के तहत एमएसएमई-डीएफओ के अलावा डीआईसी, सिडबी, प्रमुख बैंकों, स्थानीय बैंक शाखाओं, एसईईडी के प्रतिनिधियों और उद्यमियों ने हिस्सा लिया। वहीं राज्य सरकार की ओर से एमएसएमई निदेशक एम रविकुमार ने इसमें प्रतिनिधित्व किया।

सिक्किम के प्रभारी प्रबंधक ऋतुविज शर्मा ने प्रतिभागियों को एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट के तहत उपलब्ध सुविधाओं के बारे में अवगत करते हुए मुद्रा, स्टैंड अप इंडिया और नेशनल लाइवस्टॉक मिशन जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। वहीं एमएसएमई के संयुक्त निदेशक अमित कुमार तमाङिया ने बैठक में एमएसएमई क्लस्टर विकास कार्यक्रम और क्लस्टर के लिए उपलब्ध विभिन्न लाभों के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने उद्यमियों से विभिन्न सरकारी सहायता का लाभ लेने के लिए 'उद्यम पंजीकरण' के तहत पंजीकरण करवाने का आग्रह किया।

इनके अलावा सिक्किम एमएसएमई के निदेशक एम रविकुमार ने राज्य सरकार द्वारा उद्यमियों के लिए चलाये गये कुशल युवा स्टार्ट-अप योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के बारे में चर्चा करते हुए उद्यमियों द्वारा उठाए गए विभिन्न शंकाओं का समाधान किया। इस दौरान गंगटोक के एक उद्यमी सुनू कुमार ने युवा उद्यमियों के साथ अपने ऑनलाइन किराना डिलीवरी ऐप की सफलता की बात साझा की। उल्लेखनीय है कि उद्यमियों के बीच बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना, बैंकिंग सुविधाओं से रहित उद्यमियों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना और हितधारकों के बीच संचार हेतु मंच बनाना ही इस बैठक का उद्देश्य था।



भारत जब बड़े संकल्प करता है तो करके भी दिखाता है। आज़ादी के अमृतकाल में देश का संकल्प है- विकसित भारत।
नरेन्द्र मोदी

विकसित भारत का विराट संकल्प

भारत में आज से डिजिटल कनेक्टिविटी के नए युग की शुरुआत

5G सेवाओं का शुभारम्भ

श्री नरेन्द्र मोदी माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा

इंडिया मोबाइल कांग्रेस, प्रगति मैदान, नई दिल्ली
प्रातः 10 बजे से



विकसित भारत के लिए आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर

- पीएम गतिशक्ति के तहत देश में मल्टी-मोडल इन्फ्रास्ट्रक्चर
- हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 142, मेट्रो ट्रेन 5 से बढ़कर 20 शहरों में

विकसित भारत के लिए बड़े सुधार

- GST से अनुपालन बोझ व लोगों पर कर का बोझ हुआ कम, पारदर्शिता व कर संग्रह में वृद्धि
- इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकर्स कोड से बैंकों और कारोबार, दोनों को फायदा

विकसित भारत के लिए डिजिटल प्रगति

- 5.33 लाख कॉमन सर्विस सेंटर गाँव तक पहुंचे, 1.81 लाख गाँव ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जुड़े
- डिजिटल लेन-देन में भारत दुनिया में सबसे आगे, UPI से अब तक 208 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन

विकसित भारत के लिए पूर्ण सशक्तिकरण

- जन-जन की आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प, 100% देशवासियों को घर, शौचालय, पानी, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लाभ पर बल
- किसानों को खेत से बाज़ार तक मिल रहा विभिन्न योजनाओं का लाभ
- कौशल विकास से रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा

डियर साप्ताहिक लॉटरी

बर्धमान निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर 69L 65978 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज़ क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है। "डियर लॉटरी का एक करोड़ रुपए पुरस्कार जीतने के बाद मैं बेहद प्रसन्न हूँ। मैं काफी कृतज्ञ हूँ और मुझे ऐसा एक आश्चर्यजनक मौका प्रदान करने के लिए मैं नागालैंड स्टेट लॉटरीज तथा डियर लॉटरी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। इस पैसे का उपयोग हमारी पारिवारिक स्थिति एवं जीवन स्तर को सुधारने में किया जायेगा" विजेता ने कहा।

बर्धमान, पश्चिम बंगाल के श्री तपन दास ने 26.08.2022 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में

सुप्रीम कोर्ट की नसीहत, हर समस्या का समाधान सीधे अदालत में आने से नहीं होगा

नई दिल्ली, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जनसंख्या नियंत्रण पर एक जनहित याचिका पर सुनवाई जारी रखने के लिए अनिच्छा जताते हुए कहा कि समाज में हमेशा कुछ विवादों को हल करने की आवश्यकता होती है, लेकिन हर समस्या को सीधे शीर्ष अदालत में जाने से हल नहीं किया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ भी सभी राज्यों को नोटिस जारी करने से हिचक रही थी, जिसकी याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने अपनी याचिका में मांग की थी। इसमें देश की बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए केंद्र और राज्यों को दो बच्चों का कानून लागू करने सहित अन्य कदम उठाने का निर्देश

देने की मांग की गई थी। पीठ ने कहा, आपने याचिका दायर की है। नोटिस जारी कर उनका (सरकार का) ध्यान आकृष्ट किया गया है। उन्होंने समस्या पर अपना दिमाग लगाया है और अब यह उन्हें नीतिगत निर्णय लेना है। हमारा काम खत्म हो गया है। इसलिए, हम अब याचिका को बंद कर देंगे। वकील उपाध्याय ने कहा कि चूंकि जनसंख्या संविधान की समवर्ती सूची में आती है, इसलिए राज्य सरकारें इसे नियंत्रित करने के लिए कानून भी बना सकती हैं। इसके बाद उन्होंने इस मुद्दे पर सभी राज्यों को नोटिस जारी करने की मांग की। इस पर सीजेआई ने कहा कि जब तक हम संतुष्ट नहीं होंगे, इस तरह के नोटिस जारी नहीं करेंगे। पीठ ने कहा, किसी समाज में हमेशा किसी न किसी तरह के

विवाद होते हैं और उन विवादों का समाधान करना होता है। कुछ समस्याएं हमेशा रहेंगी लेकिन हर समस्या का समाधान अनुच्छेद 32 (जिसके तहत जनहित याचिका सहित याचिकाएं सीधे सुप्रीम कोर्ट में दायर की जाती हैं) के माध्यम से हल नहीं की जा सकती हैं। पीठ ने शुरू में कहा कि वह याचिका को बंद कर देगी, लेकिन बाद में सुनवाई 11 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले 10 जनवरी, 2020 को शीर्ष अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली उपाध्याय की याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा था, जिसमें देश की बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए दो बच्चों के कानून सहित कुछ कदम उठाए जाने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी गई थी।



वहीं, एक अन्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि प्रिवेंटिव डिरेक्शन व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर गंभीर आक्रमण है और इसलिए संविधान और इस तरह की कार्रवाई को अधिकृत करने वाला कानून जो कुछ भी सुरक्षा प्रदान करता है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसका कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश यूजू

ललित और न्यायमूर्ति एस खींद्र भट और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने ये टिप्पणियां कीं क्योंकि इसने 12 नवंबर, 2021 को त्रिपुरा सरकार द्वारा पारित निवारक निरोध के आदेश को रद्द कर दिया था और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1988 (पीआईटी एनडीपीएस) में आरोपी को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया था।

'3 करोड़ से ज्यादा दिए घर, ज्यादातर मालकिन माताएं-बहनें', पीएम का 'नारीशक्ति' पर फोकस



अहमदाबाद, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि मां अंबा के आशीर्वाद से हमें हमारे सभी संकल्पों की सिद्धि के लिए शक्ति मिलेगी। मोदी ने आज गुजरात के अंबाजी में 7200 करोड़ से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें समर्पित किया। उन्होंने पीएम आवास योजना के तहत बनाए गए 45,000 से अधिक घरों को समर्पित किया और आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने प्रसाद योजना के तहत तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड न्यू ब्रॉड गेज लाइन और अंबाजी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं के विकास की भी आधारशिला रखी।

पीएम मोदी ने वेस्टर्न फ्रेट डेडिकेटेड कॉरिडोर के 62 किलोमीटर लंबे न्यू पालनपुर-न्यू लंबे न्यू पालनपुर-न्यू चटोदर सेक्शन (पालनपुर बाईपास लाइन) और मीठा-थाराड-दीसा रोड को चौड़ा करने सहित अन्य सड़क परियोजनाओं को भी समर्पित किया। उन्होंने कहा कि इस बार ऐसे समय में यहां आया हूँ जब विकसित भारत का विराट संकल्प देश ने लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मां अंबा के आशीर्वाद से हमें हमारे सभी संकल्पों की सिद्धि के लिए शक्ति मिलेगी प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हम नारी सम्मान की बात करते हैं, तो हमारे लिए ये बहुत सहज सी बात लगती है। जब हम गंभीरता से इस पर विचार करते हैं, तो पाते हैं कि हमारे संस्कारों में नारी सम्मान कितना रचा-बसा है। ये हमारे संस्कार ही हैं, कि हम अपने देश भारत को भी मां के रूप में देखते हैं, खुद को मां भारती की संतान मानते हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारों

के इस मौसम में गरीब परिवारों की बहनों को अपनी रसोई चलाने में समस्या ना हो, इसलिए सरकार ने मुफ्त राशन की योजना को आगे बढ़ा दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि मुश्किल समय में देश के 80 करोड़ से अधिक साथियों को राहत देने वाली इस स्कीम पर केंद्र सरकार करीब-करीब चार लाख करोड़ रुपए खर्च कर रही है। टॉयलेट्स हों, गैस कनेक्शन हों, हर घर जल हों, जनधन खाते हों, मुद्रा योजना के तहत मिल रहे बिना गारंटी के ऋण हों, केंद्र सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में देश की नारीशक्ति है। उन्होंने कहा कि बीते दो दशकों के निरंतर प्रयासों से बनासकांठा की तस्वीर बदल चुकी है। नर्मदा के नीर, सुजलाम-सुफलाम और डिप ड्रीगेशन ने स्थिति को बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है।

पीएम आज देश में 5जी सेवाओं का करेंगे शुभारंभ

राजेश अलख नई दिल्ली, 30 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक अक्टूबर को देश में पहली 5जी सेवा का शुभारंभ और इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2022 के छठे संस्करण का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार इस दौरान राजधानी के द्वारका सेक्टर 25 में दिल्ली मेट्रो के आगामी स्टेशन की एक भूमिगत सुरंग से 5जी सेवाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।



होगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी आयोजित की गई थी और 1,50,173 करोड़ रुपये के सकल राजस्व के साथ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को 51,236 मेगाहर्ट्ज आवंटित किया गया था।

पीएम ने अंबाजी मंदिर में प्रार्थना की, गब्बर तीर्थ में 'महा आरती' में हुए शामिल



अहमदाबाद, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा जिले में शुक्रवार को प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर में पूजा की। शहर में एक रैली को संबोधित करने के बाद वह मंदिर गए। उन्होंने निकटवर्ती गब्बर तीर्थ में 'महा आरती' में भी हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी आर पाटिल भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने इस दौरान लेजर शो भी देखा जिसके

तहत गब्बर पहाड़ी पर देवी की प्रतिमा भी बनाई गई। मंदिर जाने से पहले प्रधानमंत्री ने अंबाजी में 72,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी और कई परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया। शक्तिपीठ के नाम से मशहूर अंबाजी शहर में श्री अरासुरी माता मंदिर हर साल लाखों भक्त आते हैं। गब्बर तीर्थ हिन्दुओं द्वारा पूजे जाने वाले 51 प्रसिद्ध प्राचीन 'पौराणिक शक्ति पीठ' में से एक है।

वक्फ संपत्तियों के साथ खिलवाड़ खतरनाक : महबूबा मुफ्ती



श्रीनगर, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कश्मीर के लोगों की भावनाओं और मुस्लिम समुदाय की संपत्तियों के साथ खिलवाड़ करने पर प्रशासन को आगाह करते हुए शुक्रवार को सरकार से अपनी नीतियों पर फिर से विचार करने का आह्वान किया। अलग-अलग प्रकार की सुविधाओं के लिए ईदगाह की जमीन के इस्तेमाल करने पर सरकार और कुछ वक्फ अधिकारियों के बयानों का उल्लेख

करते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि, मीर सैयद अली हमदानी ने लगभग 600 साल पहले कश्मीर के मुसलमानों को जमीन दान की थी। उन्होंने कहा, ईदगाह के बारे में जारी बयानों ने स्थानीय मुस्लिम आबादी की भावनाओं को आहत किया है। वो लोगों की इच्छा के खिलाफ कुछ भी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों को नमाज के लिए जगह देने से इनकार कर रहे हैं और जो कुछ भी वे पारंपरिक रूप से करते रहे हैं, इसे लागू करना खतरों से भरा होगा।

रक्षा उद्योग को अनुसंधान एवं विकास पर अधिक जोर देना होगा : राजनाथ

नई दिल्ली, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भारतीय रक्षा उद्योग से कहा कि नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए वह नए निवेश करे और अनुसंधान पर ज्यादा जोर दे। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 117वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, नए निवेश कीजिए, अनुसंधान तथा विकास पर और जोर दें और भारतीय रक्षा उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए पूरी क्षमता का उपयोग करें। आपके ये प्रयास न केवल रक्षा उद्योग के लिए बल्कि देश की वृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे।



भारत का रक्षा उद्योग निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में निरंतर प्रगति कर रहा है। एक बयान में सिंह के हवाले से कहा गया, पहले निजी क्षेत्र के लिए रक्षा उद्योग में प्रवेश का कोई रास्ता नहीं था, यदि ऐसी कुछ संभावना होती भी तो उद्योग विभिन्न कारणों से रक्षा क्षेत्र में पैर जमाने के लिए तैयार नहीं था।

उन्होंने इससे पहले प्रधानमंत्री ने अंबाजी में 72,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी और कई परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया। शक्तिपीठ के नाम से मशहूर अंबाजी शहर में श्री अरासुरी माता मंदिर हर साल लाखों भक्त आते हैं। गब्बर तीर्थ हिन्दुओं द्वारा पूजे जाने वाले 51 प्रसिद्ध प्राचीन 'पौराणिक शक्ति पीठ' में से एक है।

जयपुर, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को देर से पहुंचने के कारण राजस्थान के सिरोंही जिले के आबू रोड में एक जनसभा को संबोधित नहीं किया। मोदी ने इसके लिए लोगों से खेद जताते हुए कहा कि उन्हें लाउडस्पीकर संबंधी नियमों का पालन करना होगा। पीएम मोदी ने बिना माइक से किए अपने संबोधन में कहा, मैं आप सब से क्षमा मांगता हूँ लेकिन आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं यहां फिर आऊंगा और आपका ये जो खरार है उसे मैं ब्याज समेत चुकता करूंगा। गुजरात के अंबाजी से शुक्रवार रात 10 बजकर 20 मिनट पर आबू रोड पहुंचे प्रधानमंत्री ने जनसमूह

को बिना माइक से किए संबोधन में कहा 'मुझे पहुंचने में देर हो गई। दस बज गए हैं.. मेरी आत्मा कहती है कि मुझे कानून व नियम का पालन करना चाहिए और इसलिए मैं आप सबसे क्षमा मांगता हूँ।' उन्होंने संबोधन के बाद मंच से जनता को झुककर तीन बार नमन किया और 'भारत माता की जय' का नारा लगाया जिसे लोगों ने दोहराया। इससे पूर्व प्रधानमंत्री मोदी के आबू रोड पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया ने उन्हें साफा पहना कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सांसद देव जी पटेल और

विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता गुलाब चंद कटारिया समेत अन्य पदाधिकारी और नेता मौजूद थे। रैली के लिए सिरोंही, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, पाली, उदयपुर और आसपास के 40 विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी कार्यकर्ताओं को बुलाया गया था। गुजरात सीमा से सटे दक्षिणी राजस्थान में पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने के लिए रैली आयोजित करने की योजना बनाई गई थी। कांग्रेस शासित राजस्थान में विधानसभा चुनाव अगले साल के अंत में होने हैं। गुजरात के बनासकांठा जिले के प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद प्रधानमंत्री आबू रोड पहुंचे थे।

थरूर नागपुर से करेंगे अपने प्रचार अभियान की शुरुआत

नागपुर, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता एवं सांसद शशि थरूर शनिवार को यहां दीक्षाभूमि स्मारक जाएंगे और पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के नेता आशीष देशमुख ने बताया कि थरूर दीक्षाभूमि पर श्रद्धांजलि देंगे, जहां डॉ. बी आर आंबेडकर और उनके साथियों ने 1956 में बौद्ध धर्म अपनाया था। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर के यहां दौरे का आयोजन देशमुख ने किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थरूर ने पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। देशमुख ने मीडिया को बताया कि थरूर रविवार को वर्धा स्थित



महात्मा गांधी के सेवाग्राम आश्रम और पनवार में विनोबा भावे के आश्रम जाएंगे। उन्होंने कहा, थरूर एक लोकप्रिय कांग्रेस सांसद हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए उल्लेखनीय काम किया है। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव पार्टी

नड्डा ने बीजेपी कार्यकर्ताओं से ओडिशा को 'बीजद मुक्त' बनाने को कहा

भुवनेश्वर, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने ओडिशा में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली 22 साल पुरानी सरकार के खिलाफ हमला तेज करते हुए शुक्रवार को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि राज्य को 'बीजद मुक्त' बनाया जाए। उन्होंने बीजू जनता दल (बीजद) पर केंद्रीय योजनाओं का नाम बदलकर उन्हें अपनी योजनाएं बताने और मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के धन का दुरुपयोग करने के लिए फर्जी बिल बनाने का भी आरोप लगाया। नड्डा ने भाजपा के प्रमुख संगठनों की एक

सभा में कहा, यदि आप वास्तव में विकसित राज्य देना चाहते हैं, तो आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और ओडिशा को बीजद मुक्त बनाना होगा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हमें एक विकसित भारत सुनिश्चित करने के लिए ओडिशा सहित सभी राज्यों में विकास करने की आवश्यकता है। ओडिशा के समग्र विकास के लिए, राज्य को बीजद से छुटकारा दिलाना होगा। उन्होंने केंद्र की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू नहीं करने के लिए भी बीजद सरकार पर निशाना साधा। नड्डा ने दावा किया कि ओडिशा में गरीब और आदिवासी अब भी

खुले तालाबों और कुओं से पानी पीते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य को जल जीवन मिशन के तहत 4,966 करोड़ रुपये दिए। नड्डा ने पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर में कुप्रबंधन के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा



कि मंदिर के रब भंडार की मूल चाबी गायब हो गई है। भाजपा अध्यक्ष ने पटनायक के पहले के उस बयान पर भी पलटवार किया, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि राष्ट्रीय दलों के आका 'दिल्ली में बैठते हैं जबकि उनके मालिक ओडिशा के 4.5 करोड़ लोग हैं।

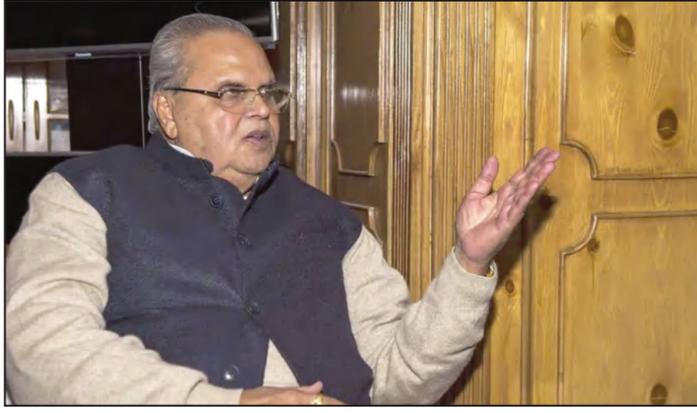
नड्डा ने कहा, हमारे आका दिल्ली में नहीं बैठते हैं, बल्कि हमारे प्रधान सेवक राष्ट्रीय राजधानी से काम करते हैं। हम आका जैसे शब्द का नहीं, बल्कि सेवक का प्रयोग करते हैं। वैसे भी, मालिक कौन है? महाप्रभु जगन्नाथ भारत के 130 करोड़ लोगों के मालिक हैं।

न चुनाव लड़ूंगा, न किसी पार्टी में होऊंगा शामिल : सत्यपाल मलिक

नई दिल्ली, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने शुक्रवार को सेवानिवृत्त होने से पहले यह स्पष्ट कर दिया है कि वह न किसी राजनीतिक दल में शामिल होंगे और न ही चुनाव लड़ेंगे। सेवानिवृत्त होने से पहले मलिक ने कहा, हम किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होने जा रहे हैं, और और न ही कोई चुनाव लड़ेंगे।

मेघालय के राज्यपाल के रूप में शुक्रवार (30 सितंबर) को मलिक का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इससे पहले यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि मलिक राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हो सकते हैं, लेकिन बातचीत में उन्होंने इन अटकलों को सिर से खारिज करते हुए दावा किया कि वह किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे।

मलिक ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, मीडिया में हमारे राष्ट्रीय लोकदल में शामिल होने की जो संभावनाएं जताई जा रही हैं, उसमें बिल्कुल दम नहीं है। हम



रिटायर होने के बाद राष्ट्रीय लोकदल तो क्या किसी भी पार्टी में शामिल नहीं होने जा रहे हैं। मलिक ने यह भी साफ किया है कि वह कोई चुनाव भी नहीं लड़ेंगे। आज सेवानिवृत्त होने के बाद भविष्य में अब आप क्या करेंगे, इस सवाल के जवाब में मलिक ने कहा, मैं सिर्फ किसानों की लड़ाई लड़ूंगा, किसानों की लड़ाई जहां होगी, वहां पर जाऊंगा। किसानों को संगठित करेगा और

किसी पार्टी में नहीं जाऊंगा, कोई चुनाव भी नहीं लड़ूंगा। बता दें कि मेघालय के राज्यपाल रहते मलिक ने केंद्र के तीन कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलित किसानों का समर्थन करते हुए सरकार को कटघरे में खड़ा किया।

उन्होंने राज्यपाल रहते किसानों का मुद्दा उठाया और केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा किया था। उन्होंने जम्मू कश्मीर का राज्यपाल रहते हुए कथित भ्रष्टाचार का मामला उठाया था। मलिक 30 सितंबर 2017 को बिहार के राज्यपाल के नियुक्त

हुए थे। इसके बाद अगस्त 2018 में जम्मू-कश्मीर और फिर 2020 में मेघालय में राज्यपाल पद पर भेजा गया।

सत्यपाल मलिक 24 जुलाई 1946 को बागपत जिले में पैदा हुए और भारतीय क्रांति दल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, जनता दल, लोक दल और समाजवादी पार्टी आदि राजनीतिक दलों से जुड़ने के बाद भाजपा में शामिल हुए थे। मलिक 1989 में अलीगढ़ संसदीय क्षेत्र से सांसद चुने गए और इसके पहले 1980 से 1989 तक राज्यसभा के भी सदस्य रहे थे।

कांग्रेस के लिए मेरा अपना नजरिया है, मैं पीछे नहीं हटूंगा : थरूर

नई दिल्ली, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। शुक्रवार को कांग्रेस के अध्यक्ष चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद, शशि थरूर ने कहा कि पार्टी के लिए उनका अपना दृष्टिकोण है जिसे वह जल्द ही सभी प्रतिनिधियों के साथ साझा करेंगे और वह दौड़ से बाहर नहीं होंगे।

शशि थरूर ने कहा कि उन्होंने पांच सेंट के नामांकन पत्र जमा कर दिए हैं और छठा सेंट अपराह्न तीन बजे तक दाखिल किया जाएगा। 'मैंने जो कागजात जमा किए हैं, वे कश्मीर से लेकर नागालैंड तक पूरे भारत में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा स्वेच्छा से दिए गए असाधारण व्यापक समर्थन को दर्शाते हैं।'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए उनका अपना दृष्टिकोण है और वह सभी प्रतिनिधियों को भेजेंगे।

गांधी परिवार को क्लीन चिट देते हुए उन्होंने कहा कि वे तटस्थ हैं। यह एक दोस्ताना मुकामला है। और दावेदार सहयोगी हैं, दुश्मन नहीं।

थरूर ने कहा, 'खड़गो शानदार नेता हैं। मेरे अपने विचार हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं खड़गो के खिलाफ कुछ भी नकारात्मक नहीं कहना चाहता। मेरा दृष्टिकोण अलग है। हमें चुनावों में कुछ वर्षों से झटका लगा है।'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे देश में बदलाव लाना चाहिए।

जिला पंचायत सदस्यों ने किया धन्यवाद कार्यक्रम का आयोजन

अनुगामिनी का.सं.
नामची, 30 सितम्बर। नामची जिला पंचायत सदस्यों द्वारा आज स्थानीय जिला भवन सभागार में एक धन्यवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नामची जिलाध्यक्ष सुश्री छिरिंग डेम भूटिया, जिला उपाध्यक्ष भीम लाखे, नामची डीसी एम भरणी कुमार, डीपीओ करजांग डी. लासोपा के अलावा नामची जिलाध्यक्ष कार्यालय के कर्मचारी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

इसकी शुरुआत में जिलाध्यक्ष छिरिंग डेम भूटिया ने एक ड्राइवर वेटींग रूम का उद्घाटन किया। इस प्रतीक्षालय का निर्माण इसी वर्ष नामची जिला पंचायत के कोष से किया गया है। 12.50 लाख रुपए की लागत से तैयार इस वेटींग रूम में एक शौचालय और बैठने की व्यवस्था के साथ ही कई अन्य सुविधाएं हैं।

वहीं कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सुश्री भूटिया ने नामची जिला पंचायत द्वारा अपनी विस्तृत योजना के तहत में किए गए विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। इसके तहत उन्होंने बताया कि जिला पंचायत को 50 हजार रुपए की पुरस्कार राशि मिली थी जिसका उपयोग जिला कार्यालय परिसर में एक गेटवै हाउस और अन्य बांकागत सुविधाओं के निर्माण हेतु किया गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान जिला पंचायतों ने नामची जिला अस्पताल में तीन लाख रुपए के उपकरण और अन्य सुविधाएं भी वितरित की हैं। साथ ही उन्होंने आय सृजन हेतु जिला भवन परिसर में एक जैविक स्टाल, एक एटीएम मशीन आदि किराए पर दिये जाने की भी जानकारी दी।

जिलाध्यक्ष ने यह भी बताया कि

अधिकांश सरकारी शिक्षण संस्थानों में विकास कार्यों के तहत पेयजल आपूर्ति एवं अन्य सेवाओं तथा सुविधाओं का वितरण किया गया है। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष भीम लाखे ने पंचायतों की भूमिकाओं और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कोविड-19 महामारी के दौरान पंचायतों द्वारा आम लोगों की मदद हेतु किये गये कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जिला पंचायत अधिकारियों द्वारा एक समग्र रूपरेखा अपनायी गयी।

वहीं नामची डीसी एम. भरणी कुमार ने अपने भाषण में जिला पंचायतों के साथ अपने कार्य अनुभवों को साझा करते हुए आम लोगों के विकास हेतु जिलाध्यक्ष और अन्य पंचायतों द्वारा उठायी जाने वाली महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के बारे में बताया।

साथ ही उन्होंने देश में पंचायती राज के विकास का जिक्र करते हुए पंचायतों से प्राथमिक स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा जैसी सामुदायिक सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में नामची डीसी के साथ ही कुल 58 अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाईकर्मियों को सम्मानित किया गया।

खोया पाया

मेरा डोमिसाइल प्रमाणपत्र खो गया है। मैंने इस संबंध में दंतताम थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। अगर यह किसी को मिले तो कृपया मुझे उक्त पते पर या मोबाइल नंबर 9593989207 या 7501050921 पर संपर्क करें।
मोहन कुमार छेत्री
पिता : तुलाराम छेत्री
प्रखंड : बारफोक

2023 में तेजस्वी पर भड़के, बीजेपी

पटना, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। बिहार आरजेडी के अध्यक्ष जगदानंद सिंह के 2023 में नीतीश कुमार द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के दावा ने महागठबंधन में बवाल करा दिया है जिसका बीजेपी मजा ले रही है। जेडीयू की तरफ से इस पर संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उषेंद्र कुशवाहा का इशारा वाला बयान आया कि जगदानंद सिंह उस बाप की तरह बिहेव कर रहे हैं जो किसी अनहोनी के डर से अपने बच्चों को जैसे-तैसे शादी कराता चाहता है। इसके बाद जगदानंद सिंह के बयान पर जेडीयू के किसी बड़े नेता ने मुंह नहीं खोला है।

जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष

ललन सिंह पटना में पार्टी दफ्तर में थे और उनके इस कार्यक्रम के लिए मीडिया को बुलाया गया था। जब मीडिया वालों ने उनसे जगदानंद सिंह के बयान पर सवाल किया तो ललन सिंह ने गुस्से में कहा कि वो पार्टी दफ्तर में मीटिंग करने आते हैं, मीडिया वालों को बयान देने नहीं। पत्रकारों ने दोबारा पूछा तो ललन सिंह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष से पूछिए। ललन सिंह आम तौर पर पत्रकारों से ठीक से बात करते हैं और इंटरव्यू वगैरह तो खूब देते हैं।

जगदानंद सिंह के बयान को लेकर मीडिया के सवाल पर ललन सिंह की बौखलाहट से ये तो साफ है कि जेडीयू इस तरह के बयान

'रसोईए के नंबर से कॉल कर अवैध वसूली करती थीं आईएएस पूजा सिंघल'

रांची, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। ईडी ने मनी लॉड्रिंग मामले में पिछले 11 मई से जेल में बंद झारखंड की सीनियर आईएएस पूजा सिंघल की करखट प्रैक्टिस को लेकर कोर्ट में कई चॉकाने वाले खुलासे किये हैं। कोर्ट में ईडी की ओर से बताया गया है कि पूजा सिंघल कमीशन वसूली और लेन-देन से जुड़ी बात करने के लिए अपने कुक के मोबाइल नंबर से एप्ल के फेसटाइम ऐप के जरिए कॉल किया करती थीं।

कुक का नाम अमित कुमार बताया गया है। तकनीकी तौर पर फेसटाइम ऐप के जरिए किये जाने वाले कॉल को ट्रेस और ट्रैक करना बेहद कठिन होता है। ईडी ने यह दावा सीए सुमन कुमार सिंह से पूछताछ के आधार पर किया है। हालांकि पूजा सिंघल की ओर से इन आरोपों से इनकार किया गया है। उनकी ओर से दायर बेल पिटिशन में कहा गया है कि उन्हें गलत आरोपों में घड़बंठ के तहत फंसाया गया है।

ईडी की चार्जशीट के मुताबिक सीए सुमन कुमार सिंह ने माना है कि उसके आवास से 17.79 करोड़ की जो रकम बरामद की गई थी, उसमें ज्यादातर रकम पूजा सिंघल की है। उसने ईडी को यह भी बताया है कि वह पूजा सिंघल को 2012 से जानता है और उनके द्वारा अवैध रूप से वसूली जाने वाली राशि उसके पास पहुंचती थी। गौरतलब है कि बीते 6-7 मई को ईडी ने पूजा सिंघल के आवास, सीए सुमन कुमार सिंह के दफ्तर एवं आवास के साथ दो दर्जन ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस मामले में पूछताछ के बाद ईडी ने 11 मई को पूजा सिंघल को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद ईडी ने उन्हें रिमांड पर लेकर कई दिनों तक पूछताछ की थी। ईडे के मुताबिक पूजा सिंघल ने आश्चर्यजनक रूप से अपने नाम पर दो पैच कार्ड इश्यू करा रखे थे।

पूजा सिंघल झारखंड सरकार में खान एवं उद्योग विभाग के सचिव के तौर पर तैनात थीं। इसके

पहले वह कई अहम पदों पर रही हैं। खूटी और चतरा में डीसी के कार्यकाल के दौरान उन पर कई योजनाओं में घोटाले का आरोप लगा है। ईडी ने बताया है कि खूटी के साथ-साथ चतरा में पूजा सिंघल जब बतौर डीसी पोस्टेड थीं, तब मनरेगा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुईं। ईडी ने पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक झा के जो बैंक स्टेटमेंट खंगाले हैं, उसके मुताबिक उपायुक्त की रूप में पदस्थापना के दौरान उन्हें जितनी सैलरी मिली, उसकी तुलना में उनके खाते में 1 करोड़ 43 लाख रुपये ज्यादा जमा हुए।

अदालत को ईडी की ओर से दिये गये ब्योरे में पूजा सिंघल की रिश्तखोरी से जुड़े प्रकरण के बारे में भी बताया गया है। इसके मुताबिक खूटी में मनरेगा घोटाले के एक आरोपी अफसर ने ईडी को जानकारी दी है कि पूजा सिंघल जब खूटी में डीसी थीं, तब जूनियर इंजीनियर राम विनोद सिन्हा कई बार उन्हें सीधे रिश्त के रकम पहुंचाता

था, तो कई बार वह उनके अधीनस्थ अफसर को बंद बेग में रुपयों की गड़्डी सौंपता था। अफसर रुपये भरे बैग को पूजा सिंघल के पास पहुंचा देते थे। मनी लॉड्रिंग के मामले में ईडी ने उस अफसर को भी अभियुक्त बनाया है। अफसर के बयान के अनुसार, उसने चार बार देखा कि जेई राम विनोद सिन्हा ने पूजा मैडम को पांच-पांच सौ रुपये के नोटों वाली 18-20 गड़्दियां सीधे बतौर रिश्तदार दीं। यह राशि मनरेगा की योजनाओं में की जाने वाली गड़बड़ियों के एजेंट में दी जाती थी।

ईडी ने दावा किया है कि पूजा सिंघल ने आय से अधिक संपत्ति का इस्तेमाल अपने पति रांची स्थित पल्स अस्पताल में किया है। एजेंसी ने पल्स संजीवनी के बैंक खातों की भी जांच की इसमें पाया है कि 2012-13 और 2019-20 के बीच कंपनी ने कुल 69.17 करोड़ रुपये का कारोबार दिखाया, जबकि बैंक खातों में कुल क्रेडिट 163.59 करोड़ रुपये थे।

सीएम सवाल से ललन सिंह मीडिया बोली- आरजेडी के डर से मुंह बंद

से असहज है। अगर आरजेडी और जेडीयू यानी लालू और नीतीश के बीच ऐसी कोई बात हुई भी होगी तो उस पर अमल से पहले उसका पब्लिक में आना पार्टी को अच्छा नहीं लग रहा होगा। लालू और नीतीश के बीच तेजस्वी की ताजपोशी को लेकर कोई तो बात हुई है नहीं तो जगदानंद सिंह के बयान के बाद लालू के बहुत करीबी विधायक भाई वीरेंद्र यह नहीं कहते कि तेजस्वी 2025 के चुनाव से पहले सीएम बनेंगे, दोनों दलों में इस पर सहमति है।

आरजेडी के नेताओं के बयान से ऐसा महसूस हो रहा है कि दोनों दलों या नीतीश और लालू के बीच ऐसी कोई बात हुई होगी। हालांकि

दो दिन पहले लालू यादव ने खुद इस तरह का कोई डेडलाइन नहीं दिया जब उन्होंने दिल्ली में अध्यक्ष चुनाव के दौरान कहा कि वो चाहते हैं कि तेजस्वी सीएम बनें लेकिन यह जब समय आएगा तब होगा। लेकिन जगदानंद और भाई वीरेंद्र का 2023 या 2025 से पहले कहना, आरजेडी कैंप से तेजस्वी की ताजपोशी को लेकर बेचैनी दिखा रहा है। आरजेडी के सभी नेता नीतीश की विपक्षी एकचुट्टा की कोशिश को लेकर कह रहे हैं कि वो केंद्र की राजनीति करेंगे और बिहार में तेजस्वी सरकार चलाएंगे।

इस पूरे प्रकरण पर बीजेपी दूर से मजा ले रही है। सुशील मोदी



जहां वीडियो बनाकर लालू को बता रहे हैं कि कैसे वो जेडीयू के 5 विधायक तोड़कर अंधी के अंधी तेजस्वी यादव को सीएम बना सकते हैं वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल कह रहे हैं कि आरजेडी के डर से जेडीयू के नेताओं का मुंह तक नहीं खुल रहा है। जायसवाल ने चुटकी ली

है कि जेडीयू को डर है कि कुछ बोलने पर नीतीश का रबर स्टॉप सीएम का तमगा भी राबर खीन ना ले। बीजेपी महागठबंधन सरकार बनने के बाद से ही नीतीश को रबर स्टॉप सीएम कह रही है क्योंकि आरजेडी विधानसभा में बड़ी पार्टी है और मुख्यमंत्री कम विधायकों वाली पार्टी के नेता हैं।

गोविन्द बल्लभ पन्त राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान
सिक्किम क्षेत्रीय केन्द्र, पांगथांग, गंगटोक- 737101, सिक्किम
Tel: (03592) 295130/295069; Email: headskrc@gmail.com

गोविन्द बल्लभ पंत, राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, सिक्किम क्षेत्रीय केन्द्र, पांगथांग, गंगटोक-सिक्किम संस्थान में **In-House Project-3** परियोजना शीर्षक **"FOSTERING CLIMATE SMART COMMUNITIES IN THE INDIAN HIMALAYAN REGION (IHR)"** के अन्तर्गत परियोजना आधारित अस्थाई पद **Junior Project Fellow (01)** एवं **In-House Project-4** परियोजना शीर्षक **"Mainstreaming Himalayan Biodiversity for Sustainable Development** के अन्तर्गत परियोजना आधारित अस्थाई पद **Junior Project Fellow (01)** तथा **NMHS funded** परियोजना शीर्षक **"Himalayan Calling: Bridging Science, Policy and Practice to Foster Sustainable Development in the Indian Himalayan Region (IHR) "** के अन्तर्गत परियोजना आधारित अस्थाई पद **Data Assistant (01)** के पदों पर भर्ती हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है। साक्षात्कार का आयोजन दिनांक 17 अक्टूबर, 2022 को प्रातः 10:30 बजे से संस्थान परिसर, पांगथांग-सिक्किम में किया जायेगा। योग्य उम्मीदवार बायोडाटा के साथ सभी शैक्षिक दस्तावेज, प्रमाण-पत्र, प्रकाशन/थीसिस/डिसेटेशन/रिपोर्ट की मूल प्रति तथा सभी दस्तावेजों की फोटो कॉपी (01 सेंट) के साथ साक्षात्कार में सम्मिलित हो सकते हैं। वे उम्मीदवार जो ऑनलाइन मोड के माध्यम से साक्षात्कार में उपस्थित होना चाहते हैं, वे निर्धारित प्रारूप में भरे हुए आवेदन पत्र के साथ सभी सहायक दस्तावेजों तथा बायोडाटा की अग्रिम प्रति संलग्न कर रीजनल हैड गो.व.पंत, राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान सिक्किम क्षेत्रीय केन्द्र को ईमेल- (headskrc@gmail.com) के माध्यम से दिनांक 15 अक्टूबर 2022 तक या उससे पहले आवेदन भेज सकते हैं। साक्षात्कार में उपस्थित अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार का यात्रा/महंगाई भत्ता देय नहीं होगा। आयु सीमा में छूट अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांग/अन्य पिछड़ा वर्ग को भारत सरकार के मानदण्डों के अनुसार विचारधीन होगा। उपरोक्त पद के विस्तृत विवरण (आयु, परिलब्धियों, एवं शैक्षणिक योग्यताओं एवं आवेदन का प्रारूप) के लिए संस्थान की वेबसाइट www.gbpihed.gov.in देखें।

रीजनल हैड,
सिक्किम क्षेत्रीय केन्द्र

NAGALAND STATE LOTTERIES	
Draw Time: 01:00 PM	
DEAR HOOGLHY MORNING	
FRIDAY WEEKLY LOTTERY	
Draw No:96 DrawDate on:30/09/22	
1st Prize ₹1 Crore/- 87B 64111	
(Including Super Prize Amt)	
Cons. Prize ₹1000/- 64111 (REMAINING ALL SERIALS)	2nd Prize ₹9000/-
04599 05423 07361 11355 19394 24371 24644 35000 76824 94283	
0016 0713 1347 1818 2249 3001 5940 6443 6594 7458	4th Prize ₹250/-
0983 1876 2593 2917 5245 5966 7389 9929 9143 9329	5th Prize ₹120/-
0036 0107 0176 0225 0279 0388 0544 0575 0615 0746	
0874 1066 1067 1439 1578 1653 1688 1915 2020 2028	
2046 2162 2171 2185 2297 2392 2408 2412 2418 2701	
2922 3002 3226 3323 3457 3541 3562 3631 3669 3851	
3890 3979 4093 4218 4382 4388 4418 4730 4829 4971	
4980 5028 5095 5118 5133 5391 5379 5650 5898 6021	
6147 6208 6215 6278 6317 6350 6553 6598 6627 6631	
6689 6699 6740 6744 6833 6959 7164 7172 7324 7885	
7876 7956 8029 8147 8237 8304 8393 8522 8675 8964	
8953 8974 9141 9242 9384 9567 9572 9916 9932 9974	
ISSUED BY : THE DIRECTOR NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND For Results, Please Visit : www.NagalandLotteries.com KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE	

NAGALAND STATE LOTTERIES	
Draw Time: 06:00 PM	
DEAR EARTH FRIDAY	
WEEKLY LOTTERY	
Draw No:96 DrawDate on:30/09/22	
1st Prize ₹1 Crore/- 87D 71834	
(Including Super Prize Amt)	
Cons. Prize ₹1000/- 71834 (REMAINING ALL SERIALS)	2nd Prize ₹9000/-
07355 08288 09661 18507 37265 42782 53251 57981 70063 83253	
0161 0588 2231 3922 4273 5300 5646 5739 6456 7617	4th Prize ₹250/-
2236 2244 2868 4961 5130 5935 6375 7354 8258 9987	5th Prize ₹120/-
0154 0271 0452 0474 0515 0705 0723 0759 0795 1057	
1235 1286 1419 1504 1882 2126 2229 2234 2289 2337	
2399 2415 2496 2520 2597 2619 2785 2881 2886 2900	
2977 3286 3459 3850 3888 3900 3912 3953 3967 4081	
4112 4152 4158 4212 4314 4490 4750 4863 4878 5118	
5192 5223 5262 5276 5319 5394 5424 5450 5620 5622	
6026 6358 6517 6849 7159 7258 7273 7361 7374 7458	
7602 7605 7649 7697 7751 7867 7868 7878 7943 7963	
7968 8064 8155 8251 8354 8416 8642 8805 8837 9149	
9153 9190 9424 9468 9536 9606 9706 9790 9822 9926	
ISSUED BY : THE DIRECTOR NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND For Results, Please Visit : www.NagalandLotteries.com KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE	

NAGALAND STATE LOTTERIES	
Draw Time: 08:00 PM	
DEAR VULTURE EVENING	
FRIDAY WEEKLY LOTTERY	
Draw No:196 DrawDate on:30/09/22	
1st Prize ₹1 Crore/- 72G 26752	
(Including Super Prize Amt)	
Cons. Prize ₹1000/- 26752 (REMAINING ALL SERIALS)	2nd Prize ₹9000/-
04807 07305 22899 23300 23735 45847 75061 78251 83633 95138	
0181 2951 2985 4640 5150 5302 5480 7554 7872 8513	4th Prize ₹250/-
1176 1216 1286 2327 4171 4439 4757 6318 7596 9663	5th Prize ₹120/-
0138 0308 0320 0456 0656 0957 1138 1352 1506 1513	
1528 1595 1824 1883 1906 2059 2169 2175 2280 2328	
2379 2661 2707 2917 2918 2924 2956 2997 3000 3012	
3025 3038 3094 3291 3550 3584 3739 4056 4066 4150	
4215 4264 4562 4606 4712 4778 5018 5020 5290 5489	
5529 5533 5616 5628 5697 5742 6007 6176 6208 6216	
6334 6352 6481 6512 6572 6585 6746 7073 7152 7167	
7311 7353 7696 7706 7814 7902 7997 8283 8278 8336	
8390 8484 8585 8820 8942 8940 9097 9171 9305 9379	
9474 9547 9599 9609 9695 9755 9802 9818 9882 9990	
ISSUED BY : THE DIRECTOR NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND For Results, Please Visit : www.NagalandLotteries.com KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE	

मुफ्त अनाज कब तक

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को एक बार फिर तीन महीने के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। आज ही यह योजना समाप्त हो रही थी, लेकिन अब 31 दिसंबर तक जारी रहेगी। यह इस योजना का सातवां विस्तार है। ध्यान रहे, इसकी शुरुआत अप्रैल 2020 में तब की गई थी, जब कोरोना को बेकाबू होने से रोकने की कोशिशों के तहत देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की गई थी। उस दौरान अचानक सारा कामकाज ठप हो जाने और आजीविका के साधन समाप्त हो जाने की वजह से देश में कमजोर तबकों के सामने जीवन निर्वाह की समस्या पैदा हो गई थी। उस कठिन दौर में जरूरतमंदों की मदद के लिए सरकार ने दो महीने के लिए यह योजना घोषित की, जिसके तहत 80 करोड़ गरीबों को पांच किलो गेहूं और चावल मुफ्त मुहैया कराए गए। चूंकि कोरोना की समस्या जारी रही, इसलिए सरकार ने अप्रैल 2021 में फिर से यह योजना घोषित की। इस बार भी यह दो महीने के लिए बढ़ा दिया गया। तब से इसे लगातार बढ़ाया जाता रहा है।

चूंकि अब कोरोना के वैसे हालात नहीं रहे, जन जीवन सामान्य हो चुका है, काम धंधे शुरू हो चुके हैं, इसलिए उम्मीद की जा रही थी कि इस योजना को और विस्तार नहीं दिया जाएगा। यूक्रेन युद्ध के कारण जहां दुनिया में सख्त लाइसेंस चैन बाधित हुई वहीं अनाज की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। बढ़ी हुई महंगाई दर और रुपये की कमजोरी के चलते देश की वित्तीय स्थिति भी कमजोर हुई है। इसलिए वित्त मंत्रालय इस योजना को मिलने वाले विस्तार की वजह से करीब 45000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ बर्दाश्त करने के मूड में नहीं था।

खबरों के मुताबिक वित्त मंत्रालय का सुझाव था कि अगर योजना को विस्तार देना ही है तो भी उसमें अनाज की मात्रा कम की जानी चाहिए। मगर कैबिनेट के फैसले के मुताबिक योजना अपने पुराने स्वरूप में ही जारी रहेगी। ध्यान रहे, साल के अंत में हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होने हैं। स्वाभाविक ही आरोप लग रहे हैं कि सरकार के इस फैसले के पीछे चुनावी हित हैं। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि इस फैसले की वजह से गरीबों के चेहरे पर मुस्कान आएगी और उनके घर में चूल्हे जलते रहेंगे।

निश्चित रूप से किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार को देश की आबादी के कमजोर हिस्सों की चिंता होनी चाहिए। लेकिन उसी चिंता का एक रूप यह भी है कि देश की वित्तीय संरचना पर हद से ज्यादा बोझ न पड़े। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने मुफ्त घोषणाओं को मुद्दा बनाया था और राजनीतिक दलों को इससे बचने की जरूरत बताई थी। ऐसे में इस योजना को मिला विस्तार खुद सरकार की प्राथमिकताओं पर कुछ असुविधाजनक सवाल तो खड़े कर ही गया है।

भारत में स्वच्छता क्रांति की निरंतरता- ओडीएफ से ओडीएफ प्लस तक



विनी महाजन
सचिव

जल शक्ति मंत्रालय

भारत ने 2014 में अपनी अभूतपूर्व स्वच्छता यात्रा शुरू की, क्योंकि खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) राष्ट्र बनाने के लिए सुसंगत और ठोस प्रयास शुरू किए गए। दुनिया में सबसे बड़े व्यवहार परिवर्तन कार्यक्रम के रूप में माना जाने वाले स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) ने प्रत्येक भारतीय गांव को एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रेरित किया और महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती यानि 2 अक्टूबर 2019 तक प्रत्येक ग्राम पंचायत ने श्रद्धांजलि के रूप में सभी के लिए शौचालय-सुविधा के साथ खुद को ओडीएफ घोषित किया। इसका प्रभाव सकारात्मक स्वास्थ्य परिणामों, आर्थिक और सामाजिक लाभों तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के संदर्भ में दिखाई पड़ता है, जिनके माध्यम से बेहतर जीवन स्तर, महिलाओं के लिए आजीविका के अवसरों में वृद्धि और स्कूल में लड़कियों की बेहतर उपस्थिति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। स्वतंत्र अध्ययनों से पता

चलता है कि ओडीएफ क्षेत्रों में डायरिया रोग से पीड़ित बच्चों की संख्या काफी कम थी और गैर-ओडीएफ क्षेत्रों की तुलना में ओडीएफ क्षेत्रों के बच्चों में पोषण की स्थिति भी बेहतर थी।

इस वर्ष हम एसबीएम के 8 वर्ष पूरे कर रहे हैं; तो प्रश्न उठता है कि ग्रामीण भारत में स्वच्छता आंदोलन के लिए आगे की योजना क्या है? माननीय प्रधानमंत्री ने 2019 में ही स्पष्ट कर दिया था कि हम केवल अपनी प्रशंसा पर खुश नहीं हो सकते। हमें, एक देश के रूप में, मानव विकास के हर क्षेत्र में हमेशा सर्वश्रेष्ठ और अग्रणी बनने का प्रयास करना चाहिए। इसलिए, ओडीएफ की उपलब्धि के बाद भारत सरकार ने ओडीएफ खल्लस की यात्रा शुरू की, यानी ओडीएफ स्थिति को बनाए रखना, यह सुनिश्चित करना कि कोई पीछे न छूट गया हो और ठोस व तरल कचरे के प्रबंधन की एक पर्यावरण-अनुकूल प्रणाली स्थापित करना। स्वस्थ व्यवहार को लेकर एक बड़ा कदम उठाते हुए, हम अब 'संपूर्ण स्वच्छता' के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

ओडीएफ खल्लस क्या है? यह गांवों की ओडीएफ स्थिति को बनाए रखने और इससे पैदा हुए ठोस व तरल कचरे के प्रबंधन के बारे में है।

मुख्य रूप से तीन घटक हैं, अर्थात् ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम), हितधारकों का क्षमता-निर्माण और सभी के लिए व्यवहार परिवर्तन

संबंधी संचार। 2020 की शुरुआत में शुरू किए गए एसबीएम (जी) चरण का प्रमुख लक्ष्य 'ओडीएफ प्लस' का दर्जा हासिल करना है। पिछले 2.5 वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, क्योंकि 1.14 लाख से अधिक गांवों ने अलग-अलग स्तरों पर खुद को ओडीएफ प्लस घोषित किया है और ओडीएफ प्लस बनने की अपनी यात्रा शुरू करने के क्रम में लगभग 3 लाख गांवों ने एसएलडब्ल्यूएम कार्य शुरू किए हैं।

शौचालय निर्माण और उनके उपयोग से अलग, एसबीएम (जी) चरण राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की एसएलडब्ल्यूएम से जुड़ी परिसंपत्तियों के निर्माण में सहायता कर रहा है, जैसे सामुदायिक खाद गड्डे का निर्माण, सामुदायिक बायो-गैस संयंत्र, प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रह और छंटई स्थान, गंदले पानी की सफाई के लिए जल सोखने वाले गड्डे और इसका पुनः उपयोग, अपशिष्ट संग्रह और परिवहन वाहनों सहित मल प्रबंधन प्रणाली। अब तक, 77,141 गांवों और 90 ब्लॉकों ने 71 खल्लसिक कचरा प्रबंधन इकाइयों का निर्माण किया है। एक विशेष अभियान - सुजलम, जो गंदले पानी के प्रबंधन के लिए लागू किया गया और पूरे ग्रामीण भारत में 22 लाख से अधिक जल सोखने वाले गड्डों (सामुदायिक और घरेलू गड्डे) का निर्माण किया गया।

मल अपशिष्ट के प्रबंधन में एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, सीवरेज और सेप्टिक टैंकों की हाथ से सफाई। इस दिशा में, एसबीएम-

जी ने आवश्यक तकनीकी तरीकों का पता लगाया है और वर्तमान में 137 जिलों में 368 मल अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्थाएं स्थापित की गई हैं। इसके अलावा, हमने ग्रामीण क्षेत्रों में मशीन आधारित मल अपशिष्ट प्रबंधन और एसएलडब्ल्यूएम के अन्य पहलुओं में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, स्टार्ट-अप को शामिल करने से जुड़े दायरे का विस्तार किया। लोगों से संसाधन जुटाने (क्राउड-सोर्सिंग) पर आधारित प्रौद्योगिकियों के लिए एक स्टार्ट-अप ग्रैंड चैलेंज का आयोजन किया गया, जो ग्रामीण क्षेत्रों की एसएलडब्ल्यूएम चुनौतियों के लिए स्थायी, किफायती, हासिल करने योग्य और उत्तरदायी समाधान प्रस्तुत कर सकता है।

पशु अपशिष्ट के प्रबंधन की एक महत्वपूर्ण चुनौती का समाधान 'कचरे से कंचन' पहल के माध्यम से किया जा रहा है- गोवर्धन (जैविक जैव-कृषि संसाधनों से निर्माण)। इस योजना का उद्देश्य गांवों में पैदा होने वाले पशु अपशिष्ट और जैविक कचरे से अपघटित होने वाले कचरे का उपयोग बायो-गैस/सीबीजी के साथ-साथ जैव-गाद/जैव-उर्वरक के उत्पादन के लिए करना है, जिससे न केवल ग्रामीण भारत में आय सृजन के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि इनसे जुड़ी वस्तुओं के आयात पर हमारी निर्भरता भी कम होगी।

गांवों को ओडीएफ प्लस बनाने के लिए इन परिसंपत्तियों (एसएलडब्ल्यूएम के तहत) का

निर्माण किया जा रहा है तथा इन्हें संचालन योग्य बनाया जा रहा है। ये परिसंपत्तियों न केवल स्वच्छता सुनिश्चित कर रही हैं, बल्कि आय पैदा कर रही हैं, इसमें शामिल लोगों विशेष रूप से महिलाओं (व्यक्तिगत और स्वयं सहायता समूह) को सशक्त बना रही हैं, कृषि कचरे के उत्पादक उपयोग से प्रदूषण को कम कर रही हैं, मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार कर रही हैं और जलवायु में सुधार करते हुए भूजल-स्तर को बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। मनरेगा के तहत उपलब्ध धनराशि, 15वें वित्त आयोग से जुड़े जल और स्वच्छता अनुदान (5 वर्षों के लिए 1,40,000 करोड़ रुपये) के साथ-साथ एसबीएम (जी) निधियों को ग्रामीण क्षेत्रों में संयोजित करके अच्छे परिणाम के लिए इनका उपयोग किया जा रहा है।

ग्रामीण स्वच्छता के प्रयासों में तेजी लाने की दिशा में व्यवहार परिवर्तन और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, 2014 से प्रत्येक वर्ष 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जो पूरे देश में एक समर्पित भागीदारी स्वच्छता अभियान है। इस वर्ष, गांवों के प्राकृतिक परिदृश्य को साफ-सुथरा बनाने और पुराने कचरे की सफाई में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। लोगों की भागीदारी में अत्यधिक उत्साह देखा गया है और एसएचएस की विभिन्न गतिविधियों में 9 करोड़ से अधिक लोगों ने

भाग लिया है। प्रयासों को मान्य बनाने और प्रतिस्पर्धी संघवाद में राज्यों को शामिल करने के लिए, प्रतिवर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (एसएसजी) का आयोजन किया जाता है। एक स्वतंत्र सर्वेक्षण एजेंसी, संख्या और गुण आधारित ओडीएफ प्लस मानदंडों के अनुसार भारत के सभी राज्यों और जिलों का मूल्यांकन करती है और इनकी श्रेणी निर्धारित करती है। ओडीएफ प्लस के मानदंड हैं - स्वच्छता सार्वजनिक स्थानों का प्रत्यक्ष अवलोकन, मोबाइल ऐप के जरिये नागरिकों की प्रतिक्रिया, ग्राम स्तर पर प्रभावशाली व्यक्तियों से संग्रहित की गई फीडबैक और स्वच्छता मानदंडों पर सेवा स्तर की प्रगति। यह एसएसजी 2022 का तीसरा दौर है और इसकी रिपोर्ट 2 अक्टूबर 2022 को आयोजित होने वाले स्वच्छ भारत दिवस (एसबीडी) कार्यक्रम में जारी की जाएगी एवं इसके विजेताओं का सम्मान भी किया जायेगा।

ओडीएफ प्लस इंडिया का उद्देश्य कठिन प्रतीत होता है तथा स्वच्छता एवं स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमेशा एक सतत गतिविधि बनी रहेगी। लेकिन, यदि इसे एक सामूहिक राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में लिया जाता है, तो भारत संपूर्ण स्वच्छता के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकता है। ओडीएफ-प्लस का दर्जा प्राप्त करने और इसे बनाए रखने के लिए आइए इस 'जन-आंदोलन' को अब फिर से सशक्त व लोकप्रिय बनायें!

भंवर में फंसी कांग्रेस

नीरजा चौधरी

अभी हाल में राजस्थान कांग्रेस में जो कुछ भी हुआ, वह बिल्कुल ही अप्रत्याशित था, क्योंकि अशोक गहलोत गांधी परिवार के सबसे विश्वसनीय नेताओं में माने जाते थे। इसलिए सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष का अपना पद, जो बीस साल से उनके पास है, उन्हें सौंपने के लिए तैयार हो गई थी। माना जाता था कि अशोक गहलोत गांधी परिवार के प्रति काफी वफादार हैं, जो कभी थोखा नहीं देंगे और उनके खिलाफ नहीं जाएंगे।

लेकिन जो राजस्थान में हुआ, उससे कांग्रेस आलाकमान को भारी धक्का लगा है, क्योंकि ऐसा दिख रहा है कि आलाकमान के सबसे विश्वसनीय नेता का हाथ बगावत के पीछे था। हालांकि अब अशोक गहलोत सफाई दे रहे हैं कि उन्हें मालूम नहीं था कि विधायक इस तरह से विद्रोह करेंगे, लेकिन कोई भी उनकी बात नहीं मान रहा है। दूसरी बात यह है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने निर्देश दिया कि दिल्ली से भेजे गए दो पर्यवेक्षकों की निगरानी में कांग्रेस विधायकों की

बैठक हो।

इसके पीछे विचार था कि दोनों पर्यवेक्षक एक-एक कर सभी विधायकों से बात करेंगे और एक पंक्ति का प्रस्ताव पारित कराएंगे कि सब कुछ कांग्रेस अध्यक्ष के हाथों में सौंप दिया जाए। विचार था कि अशोक गहलोत को दिल्ली बुलाकर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाए और सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाया जाए। यह वादा राहुल गांधी ने सचिन पायलट से 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले ही किया था।

फिर दिल्ली की जिदगी और घर-घर छोड़कर सचिन पायलट वहीं जम गए। उन वर्षों में उन्होंने पूरे प्रदेश में भ्रमण किया था और गांव-गांव तक घूमे थे। खैर, पार्टी जीत गई और गहलोत को मुख्यमंत्री बना दिया गया। तब भी पायलट ने विद्रोह नहीं किया, क्योंकि उन्हें भरोसा दिया गया कि आपको आगे मुख्यमंत्री बनाएंगे। लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ, तो उन्होंने 2020 में गहलोत की सरकार गिराने की कोशिश की, जो नाकाम हुई, पर

वह गहलोत के खिलाफ विद्रोह था। संभवतः पार्टी आलाकमान का विचार था कि अगर चेहरा बदल दिया गया, तो सत्ता विरोधी रुझान कम हो जाएगा। सोनिया की यह पहल पार्टी के दोनों हाथ में लड्डू वाली रणनीति का हिस्सा थी। उनका विचार था कि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने पर जनता के सामने एक युवा और नया चेहरा होगा, जिससे राज्य में पार्टी की स्थिति मजबूत हो सकती है।

और अशोक गहलोत चूंकि पुराने और मंजे हुए अनुभवी नेता हैं, जो कांग्रेस की कार्यप्रणाली और पूरे तंत्र को जानते हैं, देश को जानते हैं और गांधी परिवार के प्रति बहुत वफादार रहे हैं, इसलिए उन्हें पार्टी अध्यक्ष पद सौंपने का फैसला किया गया था। लेकिन ऐसा हुआ नहीं, क्योंकि अशोक गहलोत राजस्थान नहीं छोड़ना चाहते हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश के बावजूद पर्यवेक्षकों के साथ विधायकों की बैठक नहीं हुई।

पर्यवेक्षक मुख्यमंत्री के आवास पर घंटों इंतजार करते रहे और विधायक राष्ट्रीय नेतृत्व को चुनौती

देने लगे। हालांकि अब गहलोत रक्षात्मक हो गए हैं। लेकिन कांग्रेस में इंदिरा गांधी या राजीव गांधी के जमाने में पहले ऐसा नहीं होता था कि केंद्र से पर्यवेक्षक जाए और उसे बैरंग लौटना पड़े। मुझे याद है, जोके मूपनार जब किसी राज्य में पर्यवेक्षक बनकर जाते थे, तो मुख्यमंत्री थर-थर कांपते थे। पर्यवेक्षक यदि किसी मुख्यमंत्री को कहता था कि आपको इस्तीफा देना है, तो वह इस्तीफा देते थे। यदि कहा जाता कि एक पंक्ति का प्रस्ताव पारित करके आलाकमान पर फैसला छोड़ दीजिए, तो वैसा ही होता था।

लेकिन राजस्थान में जिस तरह से सीधे-सीधे अपने ही लोगों द्वारा आलाकमान को चुनौती दी गई, यह दिखाती है कि कांग्रेस नेतृत्व कितना कमजोर हो गया है।

अब सवाल यह है कि सोनिया गांधी इस मसले को कैसे सुलझाएंगी और इस किस्से के बाद पार्टी अध्यक्ष कौन बनेगा। सोनिया गांधी से बैठक के बाद अशोक गहलोत ने अध्यक्ष का चुनाव न लड़ने की घोषणा कर दी और

मुख्यमंत्री पद का फैसला सोनिया गांधी के ऊपर छोड़कर उन्होंने आलाकमान पर दबाव बना दिया है। जाहिर है, पार्टी नेतृत्व कमजोर हुआ है और इसकी मुख्य वजह है कि गांधी परिवार आज चुनाव नहीं जितवा पा रहा है।

लोग पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगाता है कि पार्टी का कोई भविष्य नहीं है और उनका भी भविष्य कांग्रेस पार्टी में नहीं है। असल में गांधी परिवार के साथ आज अच्छे मैनेजर नहीं हैं, अगर अच्छे मैनेजर होते, तो जो राजस्थान में हुआ, वैसा होता ही नहीं। यहीं अहमद पटेल की कमी खलती है। वह भांप लेते कि राजस्थान में अंदरखाने कौन-सी खिचड़ी पक रही है।

अब जबकि अध्यक्ष पद के लिए दिग्विजय सिंह ने भी अपना दावा पेश कर दिया है, तो देखा होगा कि पार्टी आलाकमान किस आधिकारिक उम्मीदवार बनाती है। ऐसे में मैदान में दो ही चेहरे रहेंगे- शशि थरु और दिग्विजय सिंह। दिग्विजय सिंह का पलड़ा भारी नजर आता है, क्योंकि वह अच्छे

रणनीतिकार और राजनीति के माहिर खिलाड़ी हैं, पर उनके खिलाफ एक ही बात जाती है कि जब वह अध्यक्ष बनेंगे, तो भाजपा को उनके खिलाफ हिंदू धुवीकरण करने का मौका मिल जाएगा और वह उनके पुराने बयानों को जोर-शोर से उछालेंगे।

वैसे दिग्विजय सिंह के हिंदू साधु-संतों और कॉरपोरेट जगत से भी पुराने संबंध रहे हैं और वह दस साल तक मध्य प्रदेश में भाजपा को पछड़कर मुख्यमंत्री रहे थे। आज के समय में कांग्रेस को जैसा अध्यक्ष चाहिए, उसमें वह फिट बैठते हैं। यह देखा होगा कि गांधी परिवार दिग्विजय सिंह को समर्थन देता है या किसी और को अध्यक्ष बनाता है।

यदि दिग्विजय सिंह अध्यक्ष बनते हैं, तो वह रबड़ स्टंप नहीं होंगे, जैसा कि दूसरों के बारे में कहा जा सकता है। बहरहाल, अभी कांग्रेस में बहुत पेच है, जो कांग्रेस के संकट को दर्शाता है। अध्यक्ष पद के लिए पचास भरने में कुछ ही घंटे बचे हैं और अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है, यह भी आलाकमान के कमजोर होने का ही संकेत है।

गरबे में छिपा जीवन का फलसफा

महेश परिमल

अभी नवरात्रि चल रही है। इसी के साथ शुरू हो गई है युवाओं की मस्ती। गुजरात ही नहीं, अब तो पूरे देश में इन दिनों एक उत्सव का माहौल देखा जाता है। इन दिनों युवाओं के पैर थिरकने से नहीं चूकते। वे नगाड़ों की थाप पर अपने पांवों को थिरकने का मौका अवश्य देते हैं।

वैसे देखा जाए, तो गरबा खेलना एक परंपरा ही नहीं, बल्कि इसके पीछे एक दर्शन है। गरबा लय और ताल का सामंजस्य है। इसी में छिपा है जीवन का फलसफा। जिस तरह से गरबा खेलने के दौरान पता होता है कि कब कदम आगे बढ़ाना है, कब रोकना है और कब किसी के इंतजार में खड़े रहना है।

यही कदमताल जीवन में भी दिखाना होता है, तभी जीवन सार्थक होता है। अन्यथा सही कदमताल न होने के कारण कई जीवन बर्बाद हो जाते हैं। गरबा में दर्शन को तलाशना थोड़ा हास्यास्पद लग सकता है। पर जीवन को दूसरे नजरिये से देखने वालों के लिए यह किसी दर्शन से कम नहीं है।

इसके फलसफे को वही समझ सकते हैं, जिन्होंने गरबा खेला है। बचपन में अक्सर गरबा खेलते समय डांडिया हमारे सिर पर लग जाता था। तब जोश-जुनून के आगे कुछ नहीं होता था, पर देर रात डांडिए की वह चोट अक्सर दिखाना शुरू कर देती थी।

सिर के उस हिस्से पर उभार महसूस होने लगता था। जीवन में विपदाएं आती ही रहती हैं। हम

समझते हैं कि आखिर ये विपदाएं हमारे सामने ही क्यों आती हैं? अब जरा कामयाब लोगों की जिदगी को देखें, तो समझ में आ जाएगा कि उन्होंने सारी विपदाओं को मुकाबला करने के लिए खुद को तैयार किया।

मुसीबतों का सामना करने की उनकी हिम्मत नहीं थी, फिर भी उन्होंने आगे बढ़ने का हौसला जुटाया। अवसर ही हमें सिखाते हैं कि कब कदम आगे बढ़ाना है, कब पीछे करना है। कब कदमों को थाम लेना है। अब इसी से हम गरबे के दर्शन को समझने की कोशिश करें।

गरबा खेलने वाले यह अच्छी तरह से जानते हैं कि कब कदम आगे बढ़ाना है, कब पीछे खींचना है। कब डांडिए को सामने वाले

के डांडिए से टकराना है। कब थम जाना है। कब किसी के लिए खड़े होना है। अगर कोई इसे नहीं जानता, तो वह गरबा ही क्यों, कोई भी नृत्य नहीं कर सकता।

लेकिन नगाड़ों की थाप के दौरान जो अपने कदमों को थिरकने से रोक दे, उसे क्या कहा जाए? अन्यायी? जी हां, उसे हम अन्यायी ही कहेंगे। मेरा विचार इससे एक कदम आगे जाकर ठहरता है, उसे अत्याचारी कहा जाएगा। जो अपनी इच्छाओं को मार डाले, अपनों के लिए जीने की जुगत में अपना सारा जीवन ही दांव पर लगा दे।

सारी योग्यताएं होने के बाद भी उससे माफिल रहे। चाहेकर भी कुछ न कर पाए, उसे अत्याचारी ही कहेंगे न? जिसे भी संगीत की थोड़ी-सी भी समझ है, वह उसकी

सुरलहरी में खो ही जाता है। गुजरात के बच्चे-बच्चे गरबा के लिए बजने वाले नगाड़ों की थाप की अनुगूंज से जुड़े होते हैं।

इसकी थाप सुनते ही उनके पांव थिरकने लगते हैं। यह उन्हें विरासत में मिला है। इसलिए गरबा खेलते समय युवाओं ही नहीं, बल्कि बुजुर्गों और बच्चों में भी एक विशेष प्रकार का उत्साह देखने को मिलता है। कुछ ऐसी ही स्थितियां ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिलती हैं, जहां किसी समारोह में लोग गाजे-बाजे के साथ पूरी शिद्दत से नृत्य करने लगते हैं।

वास्तव में इन्हीं नृत्यों में छिपा होता है जीवन का ककहरा। नृत्य के साथ जीवन जीने की कला को समझा जाए, तो जीवन आसान हो सकता है। आप उन कोरियोग्राफर्स

पर ध्यान दें, उनके पास जीवन की समस्याओं का समाधान मिल जाएगा, क्योंकि उन्हें यह अच्छी तरह से पता होता है कि किस रिदम में किस पांव को उठाना है, हाथ को कब और कैसे लहराना है। कब पीछे हटना है, कब आगे बढ़ना है। नृत्य में इसे ही अनुशासन कहते हैं। वास्तव में यही जीवन का अनुशासन है। जीवन जीने की कला किसी किताब में नहीं, बल्कि चारों तरफ बिखरी पड़ी है। छोटे-छोटे ताल-मेल से जीवन संवर्तता है। फिर चाहे गरबा हो या कोई अन्य लोकनृत्य। जीवन को समझना है, तो उसमें डूबो, फिर देखो कि वह किस तरह से हमारे सामने एक नए रूप में आता है। यही है जीने का सूत्र और यही है जीवन जीने का सही तरीका।

प्राचीन समय से अवधारणा है कि कृषि उत्पादन की तकनीक ऐसी होना चाहिए कि वह जीवन के पांच तत्व- भूमि, पानी, वायु, अग्नि एवं अंतरिक्ष (स्पेस) के प्रति सकारात्मक रहे। इस सर्वकालिक अवधारणा क अनुरूप, वर्ष 1980 के दशक से, परिवर्तित/जैविक खेती पर इस आधुनिकतम युग में सूक्ष्म अनुसंधान कार्य की निरंतरता बनाए रखी है इस अनुसंधान के महत्वपूर्ण बिन्दु जो उभर कर आये हैं वह इस प्रकार हैं।



भूमि के जहर को निष्क्रिय करें
पौधे की बुनियाद-प्राण जड़ों में है। फिक्र जड़ों की करें, वह अपनी दृष्टि से दूर जमीन में रहती है। रुट झोन रायजोस्फीयर याने जड़ों के आस-पास में प्राण वायु का संचार, जल-नमी की उपलब्धता, भूमि का उचित तापमान, भूमि में जड़ों के विकास के लिए मुनासिब रहे यह बुनियादी आवश्यकता है। इस हेतु भूमि की गुंदाई के साथ प्रोटीन हाइड्रोलायसेस का छिड़काव व भूमि पर पलवार, तापमान को समायोजित रखते हैं। प्रोटीन हाइड्रोलायसेट (गोबर, दाल या खली, गुड़, गोमूत्र, खमीर का किण्वन-फरमेन्टेशन प्रॉडक्ट) को भूमि की विषाक्तता-जहर को निष्क्रिय करने- जहर को उतारने हेतु भूमि व पौधों पर छिड़काव, अंकुरण के बाद में व 30-40 दिन की अवस्था में करें। यह छिड़काव पौधों की वृद्धि व भूमिगत जीवों की संख्या तेज गति से बढ़ती है। परिणाम: ऐन टैगनिस्ट-शत्रु जीवाणुओं को समाप्त कर उपयोगी जीवाणु-माइक्रोफ्लोरा, पौध पोषण जो स्थायी अपरिवर्तनीय (फिक्सट) अवशोषणी (आयनिक) रूप में परिवर्तित होने पर पौधों की जड़ों में प्रवेश लेना संभव होता है।

भूमि जीवित है

मिट्टी में प्रचुर मात्रा में जैव कार्बन (0.5 प्रतिशत व अधिक) रहता है ऐसी भूमि में इन जीवों का वजन एक टन प्रति हेक्टेयर का अनुमान है। आबोहवा का कार्बन (सीओ₂) हयूमस खेत के कचरे-बायोमास के विघटन से बनता है।

परिणामत

स्थायी कचरा-बायोमास, खनिज, पशुओं का गोबर इत्यादि को जीवाणु कल्चर के संग आर्गेनिक मेन्यूअर-खाद के रूप में संवर्धित करें। संवर्धित मेन्यूअर उपलब्ध पोषक तत्वों की उपयोग क्षमता को बढ़ाता है। उत्पादन-उत्पादकता, भूमि की जीवित प्रणाली के इर्द-गिर्द घूमती है।

भूमि का संरक्षण

प्रकृति के अनमोल उपहार भूमि-मिट्टी, जीव एवं जीवाणु व पानी-जल को खेत व खेत के आसपास संरक्षित और सजीवता की अहम भूमिका है। भूमि पर विषैले रसायन जैसे कीट, फफूंद व खरपतवार-चारा नाशक के उपयोग से परहेज करें। इन रसायनों के अधिक उपयोग से भूमि की सजीव प्रणाली शनैः-शनैः नष्ट हो जाती है। प्राण विहीन विषैली मिट्टी के रूखापन, सख्त-कठोरता से उत्पादन शक्ति कम होती है।

जैव विविधता

प्रत्येक फार्म के चारों तरफ कई प्रकार की वनस्पति होना चाहिए। पौधे जिसका उपयोग कीट नियंत्रण हेतु जैसे नीम, महुआ, रजजोत, गेंदा, तुलसी, सुर्जना, आयुषीय, अकुआ, धतूरा, लहसुन, मिर्च, सीताफल की पत्तियां-बीज इत्यादि को स्थान दें। इस के उपरंत पक्षी, मेंढक, उल्लू, सर्प वर्ग के जीव, मित्र कीट को संरक्षण दें। यह प्राकृतिक संतुलन को बनाये रखना में उपयोगी है। समस्त जीवों के हित में इसे संरक्षण दें फार्म के आस-पास ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के अलावा प्राकृतिक आवास स्थलों में।

जैव उर्वरक के गुण

जैव उर्वरक (खेती के लिए एक अनिवार्य आदान-प्रदान)



पोषण भोजन सजीवों की प्राथमिक आवश्यकता है जो पौधों की वृद्धि एवं विकास में सहायक है, जिसमें सभी तत्वों का आवश्यक एवं संतुलित मात्रा में होना अति आवश्यक है, पौधों के लिए मुख्यतः हवा, पानी, भूमि तथा उर्वरकों से प्राप्त होते हैं। पोषक तत्वों को पौधों की प्रायः अवस्था में बदलने का कार्य सूक्ष्म जीवों द्वारा किया जाता है। ये सूक्ष्म जीव ही जैव उर्वरकों के नाम से जाने जाते हैं, जो भोजन की पूर्ति के साथ-साथ फसल को कई प्रकार से लाभान्वित करते हैं, जैसे पादप क्रियाओं में वृद्धि पौधों के लिए विटामिंस तथा हारमोन्स का निर्माण तथा उनका क्रियाव्ययन, एटीबायोटिक व रोग निरोधक क्षमता का निर्माण तथा पौधों के जड़ भाग में नमी का संरक्षण कर अन्य कई प्रकार से पौधों को सुरक्षा प्रदान करते हुए मिट्टी की उर्वरता को लम्बे समय उपजाऊ बनाने में सहायक है। अतः जैव उर्वरक भूमि की लम्बी आयु के द्योतक है।

राइजोबियम

यह जीवाणु सभी दलहन फसलों के जड़ भाग में गूथि का निर्माण कर दलहन फसलों की 80-90 प्रतिशत भाग की पूर्ति करता है। जिसे बीजोपचार द्वारा 10 से 12 किलो बीज में एक राइजोबियम 200 ग्राम के पैकेट को एक गिलास पानी या चावल के माड में लेही बनाकर बीजों में मिलाया जाता है। तथा सभी दलहनों के लिए अलग-अलग विशेष राइजोबियम कल्चर का प्रयोग होता है।

एजेटोबेक्टर

यह जीवाणु कल्चर सभी फसलों के लिए नत्रजन की 15 से 35 किलो प्रति हेक्टेयर तक की पूर्ति करता है।

एजोस्परिलिम

यह जीवाणु एजेटोबेक्टर जैसा ही जैव उर्वरक है तथा इसे बीजोपचार पौध-जड़ोपचार तथा मिट्टी उपचार द्वारा सभी फसलों में प्रयोग किया जा सकता है। तथा



हे तथा इस कल्चर को 1 से 3 प्रतिशत कच्चे खाद की मात्रा के अनुसार गड्डों में मिला देते हैं।

रोग बायोकन्ट्रोलर

ऐसे बहुत से कल्चर अब बाजार में उपलब्ध होने लगे हैं कि जैविक क्रिया के उत्पादों द्वारा कई बीमारियों एवं कीट-लार्वा आदि से फसल सुरक्षा करते हैं तथा फसलों में कल्चर की तरह से प्रयोग किये जाते हैं।

प्लांट राजोबैक्टिरिया

इसमें प्राप्त लाभदायक सभी जीवाणु जो पौधों के जड़ क्षेत्र में पनपते हुए फसलों को विभिन्न प्रकार से लाभान्वित करते हैं जिसमें मुदा, पौधों दोनों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। जैव उर्वरकों की प्रयोग विधि

बीजोपचार

सीधी बिजाई वाली सभी फसलों के लिए बीजोपचार उत्तम तरीका है। इसके लिए नत्रजन देने वाले तथा फास्फोरस देने वाले एक-एक पैकेट को घोंले पानी अथवा टंडे चावल के माड में लेही बनाकर 10-12 किलो बीज पर काली परत चढ़ाने तक मिलाये तथा छाया में सुखाकर तुरंत बिजाई करें।

पौध जड़ोपचार

रोपाई की जाने वाली सभी फसलों के लिए 2 किलो एजेटोबेक्टर/एजोस्परिलिम तथा उतनी ही मात्रा में फास्फोरिका आवश्यक जल में घोल बनाकर एक-दो घंटे रखें तथा धान के लिए रात भर रखें। इससे एक एकड़ पौध की रोपाई की जा सकती है।

मिट्टी उपचार

चार किलो एजेटोबेक्टर एजोस्परिलिम अथवा दोनों दो-दो किलो तथा चार किलो पीएसबी कल्चर को उचित नमी वाले 100 से 150 किलो गोबर की तैयार खाद में मिश्रण तैयार कर 24 घंटे बाद फसलों की जड़ वाले भाग में प्रयोग करें।



परिवर्तित खेती की आधुनिक युग में प्रासंगिकता



कैसे- मोनोकाट फसलों में, जैसे गेहूँ की जड़ों पर माईकोराइजा सहजीवी फफूंद पाई जाती है। इस फफूंद के हायापा सूक्ष्म दर्शी ट्यूब मोनोकाट की जड़ व दलहन की जड़ गूथियों के मध्य पोषक तत्वों की आवक-जावक में सहयोग करती है। यह त्रिपक्षीय सहयोग का उदाहरण है। इस प्राकृतिक व्यवस्था का उपयोग करते हुए मोनोकाट गेहूँ का पोषण हेतु रासायनिक/जैव खाद से प्राप्त होने वाले नत्रजन पर निर्भरता 70-80 प्रतिशत तक कम करना संभव होता है। इस प्राकृतिक सिद्धांत का लाभ लेना चाहिए। इसे किस प्रकार से निश्चित कार्य रूप दिया जाए? गेहूँ के साथ में दलहनी चारा बरसीम/सेजी (मिलीतोटास), लुसर्न को सहयोगी फसल के रूप में लगाये।

जल संवर्धन

प्राकृतिक संपदा मिट्टी, जीवाणु व जल संवर्धन एक दूसरे के अनुकूल व संपूरक है। इस प्रकल्प की पूर्ति हेतु प्रत्येक खेत के आसपास मेंढ के स्थान पर नालियां बनाए। प्रत्येक फार्म, फार्म के निकट पोखर/छोटी कुड़िया बनें। यह रिचार्ज-जल रिसन में सहायक होते हैं। तकनीक देखने में छोटी प्रतीत होती है पर परिणाम बहुआयामी है। भूमिगत जल स्तर में भारी गिरावट आ रही है। भूमिगत जल स्तर को तेजी से ऊपर उठाने हेतु, टयुब वेल-नलकूप क आस पास गहरे रिचार्ज सेफ्ट बनाए। इसे पोखर-तालाब में भी बनाए। ऊपरी पतों-प्रोफाइल के जल की गुणवत्ता बेहतर रहती है जो उर्वरा भूमि व कम्पोस्ट के संग उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि करना संभव हो जाता है विशेष कर मानसून आधारित खेती से भी। परिवर्तित खेती अपनाए पर खेती लाभ का व्यवसाय के साथ में सहायक रोजगार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था विकसित करने के लक्ष्य की पूर्ति संभव है। परिवर्तित खेती अपनाए पर रोजगार के अवसर में वृद्धि से युवा वर्ग भी ग्रामीण क्षेत्र के इकोफ्रेन्डली वातावरण में रहना पसंद करेगा।



उपसंहार

प्रस्तावित परिवर्तित खेती तकनीक के पक्ष में टोस वैज्ञानिक अनुसंधान के सकारात्मक निष्कर्ष है। इस विषय पर वृद्ध विवेचना पुस्तक परिवर्तित खेती व पर्यावरण सुरक्षा लेखक वि-न.श्रीफ में दी गई है। यह मौलिक ग्रंथ है, जो दक्षता के साथ तर्क-वितर्क के चातुर्य से आश्रय करत हुए अपील की गई है कि पुनः परिवर्तित-जैविक खेती को अपनाया जाय। इस पुस्तक को कृषि कार्यमाला का व्यवहारिक रूप दिया गया है। इस में प्रत्येक स्टेक होल्डर को लक्ष्य में रखा है, जैसे कृषक, उपभोक्ता, अनुसंधानकर्ता, विद्यार्थी, ट्रेनर-प्रशिक्षक, व्यवसायी, सामाजिक नियोजनकर्ता इत्यादि को। द्वितीय हरितक्रांति की सफलता का आधार स्तंभ है, ज्ञान व दक्षता। सदाबहार उच्च उत्पादन को प्राप्त करने का लक्ष्य है, किसी भी प्रकार से पर्यावरण को हानि न पहुंचाते हुए। इस के साथ में हरित-ग्रीन जी.डी.पी. विकास जो विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थों की कीमतों को उथल-पुथल को नियंत्रण में रखते हुए। मदी के दौर से उभरते हुए, भूख व कुपोषण से निजात पाने में प्रस्तावित तकनीक सहायक है। इस से ही सामाजिक न्याय की परिकल्पना को मूर्त रूप देने में सफलता मिलेगी।



गहरी जुताई बड़ी कमाई



रबी की फसल कटाई के बाद अप्रैल से जून तक मिट्टी पलटने वाले हल या डिस्क प्लाऊ से की जाने वाली जुताई फास्फोरस देने वाले एक-एक पैकेट को घोंले पानी अथवा टंडे चावल के माड में लेही बनाकर 10-12 किलो बीज पर काली परत चढ़ाने तक मिलाये तथा छाया में सुखाकर तुरंत बिजाई करें।

रहती है। बाद में मिट्टी की नमी के वाष्पीकरण से खेत सूख जाते हैं और गहरी जुताई करना कठिन हो जाता है। प्रत्येक तीसरे वर्ष खेतों की गहरी जुताई 40 सेमी. या इससे अधिक गहराई तक आवश्यक रूप से करनी चाहिए। ग्रीष्मकालीन जुताई के निम्न लाभ हैं - मिट्टी के जल सोखने की क्षमता में वृद्धि - खेत की गहरी जुताई करने से मिट्टी पलट जाती है और भूमि के अन्दर निर्मित

असिंचित कृषि में ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का भी विशेष महत्व है क्योंकि ऐसी स्थिति में फसलों से अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के लिए जल का अधिक मात्रा में भूमि के अंदर संचय होना आवश्यक है।

मिट्टी के वायु संचार में वृद्धि - मिट्टी में बीजों का अंकुरण जड़ों की वृद्धि, उचित वायु संचार तथा मिट्टी जल को उचित मात्रा में बनाये रखने के लिए खेत में जैव कार्बनिक पदार्थ मिलाकर अच्छी प्रकार से जुताई करना चाहिए। जुताई से भूमि में जीवाणु पदार्थ सड़कर पौध पोषक तत्वों में बदल मात्रा में बने रहते हैं तथा सूक्ष्म जीवों को उचित मात्रा में आक्सीजन मिलती रहती है।

मिट्टी में उचित तापमान बनाये रखना- बोई गई फसल बीजों का अंकुरण कृषि भूमि के उचित तापमान पर निर्भर करता है। ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई से मिट्टी अच्छी तरह पलट जाती है तथा भूमि के अंदर मिट्टी संरचना में सुधार होने से सूखने की किरणों सीधी भूमि के अंदर पहुंच जाती है। इससे खरीफ फसलों के बोये गये बीजों का अंकुरण सही तापमान पर आसानी से हो जाता है तथा पौधों का विकास अच्छा होता है। मिट्टी के गुणों में सुधार- भूमि की ऊपरी सतह पर रबी फसलों के बचे हुए पौध व खरपतवारों के अवशेष गर्मी में खेत की गहरी जुताई करने पर मिट्टी में अच्छी तरह से दब जाते हैं।



कठोर परत बन जाती है। इस आंतरिक कठोर सतह के कारण वर्षा का जल भूमि में ठीक से प्रवेश नहीं कर पाता। भूमि, वर्षा जल का नहीं होने से जल बहकर खेत से बाहर निकल जाता है। जिससे भूमि में नमी का उचित संरक्षण नहीं हो पाता। इसको उपयुक्त दशा में लाने के लिए रबी की फसल काटते ही जुताई आरंभ कर देनी चाहिए। क्योंकि फसल कटने के तुरंत बाद मिट्टी में थोड़ी बची नमी में भी जुताई करने में आसानी

कठोर सतह के टूट जाने से गहराई तक भुरभुरी बन जाती है। इससे मानसून की पहली वर्षा का अधिकांश पानी जमीन के अंदर चला जाता है जो खरीफ फसलों के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। पहली वर्षा के जल में वायुमण्डल में उपस्थित नाइट्रोजन भी घुली होती है और यह जल भूमि में प्रवेश कर खेत की उर्वरशक्ति में बढोत्तरी करती है। जमीन में वर्षा का पानी प्रवेश करने से भूमि के जलस्तर में वृद्धि होती है। वर्षा आधारित

अफगानिस्तान के काबुल के एक स्कूल में बड़ा विस्फोट, 100 बच्चों की मौत!

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल के एक स्कूल में भयंकर विस्फोट होने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक काबुल के स्कूल में आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 100 बच्चों की मौत हो गई। एक स्थानीय पत्रकार के अनुसार इस घटना में ज्यादातर मारे गए छात्र हजारा और शिया समुदाय से आते थे। हजारा अफगानिस्तान का तीसरा सबसे बड़ा जातीय समूह है। बीबीसी ने बताया कि विस्फोट शहर के पश्चिम में दश-ए-बारची इलाके में काज शिक्षा केंद्र में हुआ। एक स्थानीय पत्रकार बिलावल् स्कायर ने टवीट करते हुए कहा कि अब तक अपने छात्रों के 100 शवों की गिनती की है। मारे गए छात्रों की संख्या बहुत अधिक है। कक्षा खराब थी। यह एक नकली विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा थी, ताकि छात्र वास्तविक तैयारी कर सकें। पत्रकार ने भयावहता का जिक्र करते हुए कहा कि काज उच्च शिक्षा केंद्र के एक शिक्षक ने मानव शरीर के अंगों को उठाया और हाथ-पैर उड़ाए। माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर विस्फोट से पहले का एक वीडियो भी साझा किया गया था जिसमें छात्रों की कक्षा को निशाना बनाया गया था। पश्चिमी काबुल में दशते बारचे लगातार घातक आईकेपी हमलों का निशाना रहे हैं। हजारा और शियाओं की उनकी कक्षाओं के अंदर हत्या कर दी गई। पुलिस प्रवक्ता खालिद तारनार ने कहा, 'छात्र परीक्षा की तैयारी कर रहे थे तभी इस शैक्षणिक केंद्र पर एक आत्मघाती हमलावर ने हमला कर दिया। अफगानिस्तान में अमेरिकी मिशन के प्रभारी करने डेकर ने एक टवीट में कहा, 'अमेरिका काज उच्च शिक्षा केंद्र पर आज के हमले की कड़ी निंदा करता है। परीक्षा देने वाले छात्रों से भर कर कमरे को निशाना बनाना शर्मनाक है, सभी छात्रों को सक्षम होना चाहिए शांति से और बिना किसी डर के शिक्षा ग्रहण करें।'

वायु प्रदूषण के कारण कोरोना रोगियों के अस्पताल में भर्ती होने का खतरा ज्यादा

न्यूयॉर्क। अध्ययन में दावा किया गया है कि विभिन्न वायु प्रदूषणकारी तत्वों के संपर्क में आने से कोरोना रोगियों के अस्पताल में भर्ती होने का खतरा 30 प्रतिशत तक बढ़ता है, इससे वह लोग भी नहीं बच सकते, जिनका पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। इन प्रदूषणकारी तत्वों में पीएम 2.5 और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड अहम हैं। शोधकर्ताओं सहित टीम ने एक अस्पताल में मरीजों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन किया। अध्ययन के अनुसार 2021 के जुलाई या अगस्त में कोविड के 50,010 रोगियों की पहचान हुई है, जिनकी आयु 12 वर्ष और उससे अधिक थी। उस समय सार्स-सीओवी-2 के डेल्टा स्वरूप से अधिक लोग संक्रमित हो रहे थे वहीं कई लोगों को टीके लगाए गए थे। शोधकर्ता ने कहा कि ये निकर्ष महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे दिखाते हैं कि कोविड टीके अस्पताल में भर्ती होने के खतरे को कम करने में सफल होते हैं। लेकिन जिन लोगों को टीके लग चुके हैं और वे भी प्रदूषित हवा के संपर्क में आते हैं, तब उसमें रोग की गंभीरता बढ़ने का अधिक खतरा है।

तूफान इयान ने फ्लोरिडा में मचाई भीषण तबाही

सैंट पीटर्सबर्ग। अमेरिका के फ्लोरिडा में आए चक्रवात 'इयान' ने भारी तबाही मचा दी है। सर्वाधिक नुकसान बुनियादी ढांचे को पहुंचा है। बिजली गुल होने के कारण करीब 25 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। चक्रवात के कारण आई बाढ़ में डूबे घरों में लोग फंसे रहे। चक्रवात के कारण एक महत्वपूर्ण पुल का मुख्य क्षेत्र से संपर्क टूट गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को आधिकारिक रूप से इस आपदा घोषित किया। अमेरिका में आए सबसे शक्तिशाली चक्रवातों में से शुमार इयान ने फ्लोरिडा प्रायद्वीप में तबाही मचाई और वहां भारी बाढ़ के हालात बन गए। चक्रवात 'इयान' के प्रभाव के चलते फ्लोरिडा और दक्षिण-पूर्वी अटलांटिक तट तक के क्षेत्र में भारी बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने फ्लोरिडा में चक्रवात के कारण कम से कम एक मौत की पुष्टि की है। पुलिस ने कहा कि डेटोना बीच के पास डेल्टोना में 72 वर्षीय व्यक्ति अपने घर के पीछे एक नहर में मृत मिला। उन्हें लगता था कि मुक्त संख्या 'सैकड़ों में होगी। वहीं, चक्रवात के कारण क्यूबा में दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि उनके कार्यालय को मदद के लिए काउंटी से सैकड़ों कॉल प्राप्त हो रही हैं, लेकिन मांगों और पुल से संपर्क टूटने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय चक्रवात केंद्र (एनएचसी) ने कहा कि इयान तटके एक उष्णकटिबंधीय तूफान में बदल हो गया और बाद में दिन में कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र के पास अटलांटिक जलक्षेत्र पर इसके तूफान के तौर पर उभरने की संभावना है। चक्रवात का अगला पड़ाव अमेरिका के साउथ कैरोलीना में होगा। फ्लोरिडा के तटके परामोर्ट चार्लोट में चक्रवात की जगह से अस्पताल के भूतल में जलजमाव हुआ और चौथे तल की छत क्षतिग्रस्त हुई जहां आईसीयू स्थित है। अस्पताल में काम करने वाली एक डॉक्टर ने इसकी जानकारी दी।

ईरान पर प्रतिबंधों का पालन नहीं करने पर अमेरिका ने कई कंपनियों पर लगाए प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरानी पेट्रोलियम और पेट्रो-रसायन उत्पादों की दुलाई और उनके वित्तीय लेन-देन को आसान बनाने को लेकर चीन, हांगकांग, भारत और संयुक्त अरब अमीरात स्थित कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटीनी ब्लिंकन ने कहा कि ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रो-रसायन उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंधों से बचने के प्रयासों पर काबू के लिए अमेरिका कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय विशेष रूप से चीन में स्थित दो कंपनियों- झोंगगू स्टोरेज एंड ट्रांसपोर्टेशन कंपनी लिमिटेड और डब्ल्यूएस शिपिंग कंपनी लिमिटेड पर प्रतिबंध लगा रहा है। ब्लिंकन ने एक बयान में कहा कि वित्त विभाग ईरान के साथ पेट्रो-रसायन व्यापार करने के लिए आठ अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगा रहा है, जो हांगकांग, ईरान, भारत और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित हैं। बयान के अनुसार, भारत की पेट्रो-रसायन कंपनी 'तिबालाजी पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड' पर प्रतिबंध लगाया गया है।

हिजाब विरोधी प्रदर्शनों ने ईरान में लिया

उग्र रूप, 80 से ज्यादा लोगों की मौत

तेहरान। ईरान में महिलाओं का हिजाब के विरोध में प्रदर्शन ने उग्र रूप धारण कर लिया है। 14 दिनों से चल रहा विरोध प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। देश के कई इलाकों से शुरू हुए प्रदर्शनों में अब तक 80 से अधिक लोगों की जान चली गई है। एक मानव अधिकार संगठन की रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि पुलिस हिरासत में हुई छात्रा महसा अमीनी की मौत के बाद शुरू हुए हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 83 लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। ईरानी कुर्दिश शहर साकेज की 22 वर्षीय महसा अमीनी को इस महीने तेहरान में मोरौलीटी पुलिस द्वारा हिजाब न पहनने के लिए गिरफ्तार किया गया था, जहां उनकी मौत हो गई थी।

प्रदर्शनों को ग्राउंड जीरो से रिपोर्ट करने को लेकर ईरान की सरकार पत्रकारों को भी गिरफ्तार कर रही है। ईरान में पत्रकारों की रक्षा करने वाली समिति ने बताया कि देश में सुरक्षा बलों ने 29 सितंबर तक कम से कम 28 पत्रकारों को हिरासत में लिया है। समिति का आरोप है कि सरकार नहीं चाहती है कि प्रदर्शनों की सही रिपोर्ट लोगों के सामने आ सके। वहीं लोगों पर पुलिस के बर्बर अत्याचारों को देखते हुए जर्मनी की विदेश मंत्री ने गुरुवार को कहा कि वह चाहती है कि अमीनी की मौत के बाद यूरोपीय संघ ईरान पर प्रतिबंध लगाए।

ईरान की सेना ने प्रदर्शनों को समर्थन देने वाले कुर्द लड़ाकों के ऊपर मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान की स्टेट मीडिया की एक खबर के अनुसार इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ग्राउंड फोर्स ने कुर्दिस्तान में एक के बाद एक 73 बैलिस्टिक मिसाइल और दर्जनों ड्रोन हमले किये हैं। आईआरजीसी का आरोप है कि कुर्दिस्तान की कोमला पार्टी देश में चल रहे हिजाब विरोधी हिंसक प्रदर्शनों को अपना समर्थन दे रही है। यह हमले कुर्द इलाकों के अलग-अलग 42 पॉइंट्स पर किये गए थे। हिजाब विरोधी प्रदर्शनों की शुरूआत ईरान के कुर्द-आबादी वाले उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों से हुई थी, जो धीरे धीरे राजधानी समेत 50 शहरों और कस्बों में फैल गए। अमीनी के गृह प्रांत कुर्दिस्तान में फेली अशाति के कारण ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ने कुर्द इलाकों में भारी बमबारी की है। हमले के पूर्व आईआरजीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले भी कुर्द इलाकों में चल रहे प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही थी।

ईरान में चल रहे हिंसक प्रदर्शनों के लिए इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ने कुर्द लड़ाकों को जिम्मेदार ठहराया है। आईआरजीसी के हवाले से सरकारी मीडिया ने बताया कि कुर्द इलाके के शहरों में हिंसा के पीछे शामिल थे। आईआरजीसी ने बताया कि लड़के देश में चल रहे हिजाब विरोधी प्रदर्शन के माध्यम से इस्लामी पवित्रता का अपमान कर रहे हैं।



ताइवान में राष्ट्रपति तसाई-इन-वेन समुद्री जहाज युसहान के साथ एक समारोह में शामिल हुईं।

गोलीबारी के बाद जेलेन्स्की ने रूस को बताया 'आतंकवादी देश'

कहा- हर जीवन का आपको जवाब देना होगा

पैनमुंजोम। (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन के बीच जंग को सात महीने का चक्र गुजर चुका है। लेकिन ये जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तो परमाणु हमले की धमकी तक दे डाली है। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेन्स्की ने शुरूवार को रूस को एक 'आतंकवादी देश' और 'खून का प्यासा बताया। दक्षिणी जापोरिजिया में रूसी गोलाबारी के बाद एक संबोधन में, जेलेन्स्की ने कहा, 'केवल पूर्ण आतंकवादी ही ऐसा कर सकते हैं। हर खोए हुए यूक्रेनी जीवन के लिए आपको जवाब देना होगा।

इससे पहले दिन में, पुतिन ने एक डिक्ली द्वारा दक्षिणी यूक्रेन में स्थित दो क्षेत्रों - जापोरिजिया और खेरसॉन की स्वतंत्रता को मान्यता दी थी। क्रैमलाइन डोनेट्स्क और लुगान्स्क सहित कुल चार क्षेत्रों को जोड़ने की योजना बना रही है। चारों वर्तमान में रूसी नियंत्रण में हैं। जनमत संग्रह में जापोरिजिया क्षेत्र में 93% , खेरसोन



क्षेत्र में 87%, लुहान्स्क क्षेत्र में 98% और दोनेत्स्क में 99% लोगों ने विलय का समर्थन किया है।

गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरूआत में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेन्स्की ने कब्जे वाले क्षेत्रों में यूक्रेनी नितंत्रण में हैं। जनमत संग्रह में जापोरिजिया क्षेत्र में 93% , खेरसोन

की प्रतिक्रिया रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा फरवरी में किए गए आक्रमण की रफ्तार बढ़ाने के फैसले के बाद आई है। इससे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कार्यालय क्रैमलिन ने एक बयान में कहा कि शुरूवार को रूस, यूक्रेन के 4 क्षेत्रों को आधिकारिक तौर पर अपने में सम्मिलित कर लेगा।

अमेरिका ने चीन, हांगकांग, भारत और यूएई स्थित कई तेल कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ने ईरानी पेट्रोलियम और पेट्रो-रसायन उत्पादों की दुलाई और उनके वित्तीय लेन-देन को आसान बनाने को लेकर चीन, हांगकांग, भारत और संयुक्त अरब अमीरात स्थित कई रसायन कंपनी 'तिबालाजी पेट्रोकेम कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। भारत की पेट्रो-रसायन कंपनी 'तिबालाजी पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड' पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटीनी ब्लिंकन ने यह प्रदर्शन को ग्राउंड जीरो से रिपोर्ट करने को लेकर ईरान की सरकार पत्रकारों को भी गिरफ्तार कर रही है। ईरान में पत्रकारों की रक्षा करने वाली समिति ने बताया कि देश में सुरक्षा बलों ने 29 सितंबर तक कम से कम 28 पत्रकारों को हिरासत में लिया है। समिति का आरोप है कि सरकार नहीं चाहती है कि प्रदर्शनों की सही रिपोर्ट लोगों के सामने आ सके। वहीं लोगों पर पुलिस के बर्बर अत्याचारों को देखते हुए जर्मनी की विदेश मंत्री ने गुरुवार को कहा कि वह चाहती है कि अमीनी की मौत के बाद यूरोपीय संघ ईरान पर प्रतिबंध लगाए।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में आगामी वर्षों में दुनिया के इतिहास का एक बड़ा हिस्सा लिखा जाएगा: बाइडन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उनका देश एक मुक्त, खुले, स्थायी और सुरक्षित हिंद प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में आगामी वर्षों में दुनिया के इतिहास का एक बड़ा हिस्सा लिखा जाएगा। राष्ट्रपति ने वाशिंगटन में बृहस्पतिवार को दर्जनभर प्रशांत द्वीपीय देशों के नेताओं को संबोधित किया। हिंद प्रशांत क्षेत्र को सुरक्षित रखने और इन द्वीपों को चीन के बढ़ते प्रभाव से बचाने पर विमर्श के लिए पहली बार एक सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें बाइडन ने अपने विचार व्यक्त किये। बाइडन ने कहा, 'आज प्रशांत और प्रशांत महासागर के द्वीपों की सुरक्षा हमारे लिए पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।



अमेरिका और दुनिया की सुरक्षा आपकी सुरक्षा और प्रशांत द्वीपों की सुरक्षा पर निर्भर है।' उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य एक दूसरे के प्रति प्रतिबद्धता को और प्रगाढ़ करना तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक साझा भविष्य का निर्माण करना है। इस सम्मेलन में फिजी, सोलोमन आइलैंड्स, माइक्रोनिशिया,

पापुआ न्यू गिनी, तुवालु, मार्शल आइलैंड, पलाउ, सामोआ, टोंगा, पालीनिशिया, न्यू कैलेडोनिया और कुक आइलैंड्स के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए।

बाइडन ने कहा, 'हम अमेरिका समेत दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन के परिणाम देख रहे हैं। आपके देश भी इसका अनुभव कर रहे हैं। आप सबके लिए यह अस्तित्व का संकट है।' उन्होंने कहा, 'कोविड-19 और रूस के युद्ध के आलोक में हम वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी फिर से खड़ा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि मुक्त, खुले, स्थायी, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत को सुनिश्चित किया जा सके।

गरबा डांस की धुनों से न्यूयॉर्क का टाइम्स स्कायर आबाद हुआ, झूम उठे लोग

न्यूयॉर्क। शक्ति उपसाना के पवित्र नवरात्रि त्योहार पर पूरे भारत ही नहीं पूरी दुनिया में धूम है। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित टाइम्स स्कायर में दो लड़कियों द्वारा गरबा करते हुए एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। वायरल हो रहे इंस्टाग्राम रील में लड़कियों को नाचते हुए देखा जा सकता है। जबकि उनके आसपास की भीड़ उन्हें देख रही है और उनके डांस का वीडियो रिकॉर्ड कर रही है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि लड़कियां गुजराती ट्रैक डकला पर डांस कर रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन दिया नवरात्रि आ रही है और गुज्जू पहले से ही धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने टाइम्स स्कायर पर वीडियो बनाने की कहानी को भी शेयर किया है। उन्होंने बताया कि वीडियो बनाने की योजना सुबह की थी लेकिन उन्होंने महसूस किया कि यह रात में काफी बेहतर दिखेगी। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा कि केवल रात के 12 बजे के बाद ही हम इसे बना सकते थे। इसलिए हमने इसे रात के 2 बजे बनाया। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा, 'गरबा हम गुजराती के कन कन में है।' एक अन्य ने लिखा, 'पारंपरिक ड्रेस में प्यारी लग रही हैं।' एक और ने लिखा, 'यह बहुत अच्छा है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'अद्भुत आप दोनों ने धमाल मचा दिया।' वीडियो को अपलोड होने के बाद से अब तक 95 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

भारत और पाकिस्तान को साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन पर काम करना चाहिए: बिलावल

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि समय आ गया है जब भारत और पाकिस्तान को साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन पर काम करना चाहिए। इसके साथ ही बिलावल ने वैश्विक ताप के प्रभाव के कारण पाकिस्तान में आई अभूतपूर्व बाढ़ का भी उल्लेख किया। बिलावल इस समय कई द्विपक्षीय बैठकें करने के लिए वाशिंगटन में हैं। उन्होंने शुरूवार को पाकिस्तानी मीडिया के एक समूह को बताया कि उनके देश में बाढ़ की विभीषिका के कारण जो स्थिति बनी हुई है उसे देखते हुए 'समय आ गया है कि भारत और पाकिस्तान दोनों साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर काम करें।'

बिलावल ने कहा, 'हमारे देश का एक तिहाई हिस्सा जलमग्न है। हर सात में से एक व्यक्ति (बाढ़ से पीड़ित है।) अगर हम जलवायु परिवर्तन से लड़ने की बात कर रहे हैं तो अमेरिका और चीन को साथ मिलकर काम करना चाहिए। हमें जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान को साथ मिलकर काम करने के बारे में विचार करना चाहिए।' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के मुद्दे पर एक अन्य प्रश्न के जवाब में बिलावल ने कहा कि पाकिस्तान भारत की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का विरोध करता रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद वीटो को खत्म करने के पक्ष में है।



अदालत के समक्ष पेश हुए इमरान, महिला न्यायाधीश को धमकी देने का था मामला

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान शुरूवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जेवा चौधरी से व्यक्तिगत रूप से माफ़ी मांगने के लिए यहां एक सत्र अदालत के समक्ष पेश हुए। खान ने एक सार्वजनिक रैली के दौरान महिला न्यायाधीश को कथित तौर पर धमकी दी थी। इस्लामाबाद में गत 20 अगस्त को एक रैली के दौरान, खान ने अपने सहयोगी शहबाज गिल के साथ हुए व्यवहार को लेकर शीर्ष पुलिस अधिकारियों, चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की धमकी दी थी। गिल को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने न्यायाधीश चौधरी पर भी निशाना साधा था, जिन्होंने कैपिटल टेरिस्ट्री पुलिस के अनुरोध पर गिल को दो दिन की हिरासत को मंजूरी दी थी। खान ने कहा था कि उन्हें (न्यायाधीश को)



'खुद को तैयार रखना चाहिए क्योंकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।' भाषण के कुछ घंटों बाद, 69 वर्षीय खान पर उनकी रैली में पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थानों को धमकी देने के लिए आतंकवाद-निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार, खान और उनके वकील संबंधित न्यायाधीश की अदालत में पेश हुए। हालांकि, न्यायाधीश

के मातहत कर्मचारियों - कोर्ट रीडर चौधरी यासिर अयाज और आशुलिपिक फारूक ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख को सूचित किया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट छुट्टी पर हैं। इसके बाद खान ने न्यायाधीश के लिए अयाज के पास एक संदेश छोड़ा। पीटीआई द्वारा ट्विटर पर साझा किए गए

एक वीडियो में उन्हें कोर्ट रीडर से यह कहते सुना जा सकता है, 'मैं न्यायिक मजिस्ट्रेट जेवा चौधरी से माफ़ी मांगने आया हूँ।' उन्होंने कहा, 'आप मेरा जेवा चौधरी को अवगत करा दें कि इमरान खान आए थे और अब उनको (खान के) शब्दों से उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची है तो वह माफ़ी मांगना चाहते हैं।' इसके बाद पीटीआई प्रमुख अदालत कक्ष से चले गए।

अमेरिका के टेक्सस के आवासीय क्षेत्र में पांच लोगों के शव मिलने के बाद मचा हड़कंप

काहिरा (एजेंसी)।

मैकग्रेगर (इएमएस)। अमेरिका के सेंट्रल टेक्सस की एक आवासीय कालोनी में पांच लोगों के शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। 'टेक्सस रान सुरक्षा विभाग' के प्रवक्ता सार्जेंट रथान हॉवर्ड ने बताया कि कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी मैकग्रेगर पहुंच कर घटना की जांच कर रहे हैं। लेकिन अब तक मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है।

हालांकि हॉवर्ड ने इन लोगों की मौत गोली लगने से होने के सवाल का जवाब देने से इनकार करते हुए कहा कि मौत का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि मारे गए लोगों के परिवार वालों को सूचना देने तक मृतकों की पहचान उजागर नहीं की जाएगी। हत्या का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। इस बीच 'मैकग्रेगर

इंडिपेंडेंट स्कूल डिस्ट्रिक्ट' ने एक बयान जारी करते हुए खेल प्रतियोगिताएं आदि रद्द करने की सूचना दी और घटना से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

वहीं टेक्सस में अपराध की बात करें तो डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी की 2020 क्राइम इन टेक्सस रिपोर्ट, कुल क्राइम में कमी लेकिन हिंसक अपराधों में वृद्धि को दर्शाती है। रिपोर्ट में राज्य भर में कुल अपराध दर में 4 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। प्रॉपर्टी क्राइम में साल 2020 में 5.9 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। हालांकि, हिंसक अपराध दर में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। टेक्सस में हिंसक अपराधों के रूप में वार्गीकृत अपराधिक अपराधों में हत्या, बलात्कार, डकैती और गंभीर हमले शामिल हैं। 2019 की तुलना में 2020 की पहचान उजागर नहीं की वृद्धि के साथ हिंसक अपराधों में सबसे तेज वृद्धि हुई है।

वनडे की लय एशिया कप टी20 में बरकरार रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

दुबई (एजेंसी)।

सिलहट (बांग्लादेश)। इंग्लैंड के खिलाफ क्लोन स्वीप करने के बाद उत्साह से ओतप्रोत भारतीय टीम रन आउट विवाद को पीछे छोड़कर महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपनी लय बरकरार रखने के लिए उतरेगी, जहां शनिवार को उसका पहला मैच श्रीलंका से होगा। भारतीय महिलाओं को टी20 प्रारूप में हाल में बहुत अधिक सफलताएं नहीं मिली हैं लेकिन इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरूआत करेगी। पिछली बार के टूर्नामेंट को छोड़कर भारत ने 2004 से शुरू हुए एशिया कप में हर बार खिताब जीता है।

उसने वनडे प्रारूप में चार जबकि टी20 प्रारूप में दो खिताब हासिल किए हैं। एशिया कप को 2012 में वनडे से टी20 प्रारूप में तब्दील कर दिया गया था।

भारत तब से दो बार इसमें विजेता रहा जबकि 2018 में पिछले टूर्नामेंट में उसे बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा था। कोविड-19 के कारण चार साल बाद आयोजित किए जा रहे इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपना दबदबा बरकरार रखने की कोशिश करेगी। पिछला टूर्नामेंट बांग्लादेश में 2020 में खेला जाना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में ऐतिहासिक रजत पदक जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इस महीने के शुरू में इंग्लैंड से टी20 श्रृंखला में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने वनडे में शानदार वापसी की और 3-0 से क्लोनस्वीप करके दिग्गज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को शानदार विदाई दी।

यह श्रृंखला आखिर में हालांकि नॉन स्ट्राइक छर पर रन आउट करने के कारण चर्चा में रही। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति

शर्मा ने इंग्लैंड के बल्लेबाज चार्ली डीन को गेंद फेंकने से पहले क्रीज से बाहर निकल जाने पर रन आउट कर दिया था। इस तरह से रन आउट करना वैध माना जाता है लेकिन इसे खेल भावना नहीं माना जाता। भारतीय टीम इस घटना को पीछे छोड़ कर सकारात्मक पहलुओं के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करेगी। जहां तक खिलाड़ियों के प्रदर्शन की बात है तो कप्तान हरमनप्रीत शानदार फॉर्म में है जबकि स्मृति मंधाना भी अच्छी बल्लेबाजी कर रही है लेकिन शेफाली वर्मा, सबिनेनी मेघना और दयालन हेमलता को अच्छे प्रदर्शन करने की जरूरत है। हाथ में चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाली जेमिमा रोड्रिग्स ने टीम में वापसी की है। ऋचा घोष भी टीम में हैं जिन्हें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नहीं चुना गया था। भारतीय तेज गेंदबाजों का जिम्मा स्पिनर सिंघानिया, जबकि स्पिन विभाग की जिम्मेदारी राधा यादव, राजेश्वरी गायकवाड़ और दीप्ति के कंधों पर होगी।



दूसरी तरफ श्रीलंका की टीम कप्तान चमारी अटापट्टु पर बहुत निर्भर है। युवा विश्वी गुणरत्ने के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से चमारी की जिम्मेदारी बढ़ गई है। श्रीलंका के मध्य क्रम की जिम्मेदारी हसीनी परेरा और हर्षिता समरविक्रमा पर होगी, जबकि गेंदबाजी आक्रमण का जिम्मा काफी हद तक स्पिनरों इनोका रणवीरा और ओशदी

रणसिंघे पर होगा। टूर्नामेंट में कुल सात टीम भारत, पाकिस्तान, थाईलैंड, श्रीलंका, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और मेजबान बांग्लादेश भाग ले रही हैं। प्रत्येक टीम राउंड रॉबिन प्रारूप में एक दूसरे से भिड़ेगी और इस तरह से छह मैच खेलेगी। लीग चरण में शीर्ष पर रहने वाली चार टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी।

गुवाहाटी में भारतीय टीम का जोरदार स्वागत, अर्शदीप-दीपक ने काटा केक



गुवाहाटी (एजेंसी)।

भारतीय टीम रविवार 2 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच से पहले भारतीय प्रशंसकों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए गुवाहाटी पहुंचे। टीम बस त्रिवेन्द्रम में पिछले स्थल की तरह उत्साही भारतीय प्रशंसकों से घिरी हुई थी। पिछले मैच के नायक दीपक चाहर और अर्शदीप सिंह को बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में उनके आगमन पर एक साथ केक काटते हुए देखा गया। दीपक चाहर और अर्शदीप सिंह ने प्रोटीयान के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल में स्विंग

गेंदबाजी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीत दर्ज करने में मदद की और श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई। चाहर और अर्शदीप के उस लुभावने शुरुआती स्पेल की सीमित रहे। हालांकि भारत ने कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को लक्ष्य का पीछा करते खो दिया, लेकिन सूर्यकुमार यादव और केएल राहुल ने विपरीत अर्धशतकों के साथ जीत सुनिश्चित की। श्रृंखला के पहले मैच में भारत की धमकादार सफलता का गुवाहाटी में जोरदार स्वागत किया गया जिसमें उपरोक्त तेज गेंदबाजी जोड़ी ने टीम होटल पहुंचने पर केक काटा।

टी20 विश्व कप विजेता को मिलेगी 16 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि: आईसीसी

दुबई (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को घोषणा की ऑस्ट्रेलिया में होने वाले पुरुष टी20 विश्वकप की विजेता टीम को 16 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 13 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि दी जाएगी। आईसीसी ने यहां जारी बयान में कहा कि उपविजेता टीम को विजेता टीम को मिलने वाली धैर्यराशि से आधी पुरस्कार राशि मिलेगी। इस टूर्नामेंट में 16 टीम भाग लेंगी और यह लगभग एक महीने तक चलेगा।

इसकी कुल पुरस्कार राशि 56 लाख अमेरिकी डॉलर है जिसमें से सेमीफाइनल में हारने वाली टीम में से प्रत्येक को 400,000 डॉलर मिलेंगे। सुपर 12 चरण से बाहर होने वाली आठ टीम में से प्रत्येक को 70,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। आईसीसी ने कहा, 'पिछले साल खेले गए टी20 विश्व कप की तरह इस बार

भी सुपर 12 चरण में होने वाले 30 मैचों में जीत दर्ज करने वाली प्रत्येक टीम को 40,000 डॉलर मिलेगी।' आठ टीम को सुपर 12 चरण में सीधे प्रवेश दिया गया है। इनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। अन्य आठ टीम पहले दौर में खेलेंगी, जिन्हें दो गुप में बांटा गया है। इनमें गुप में नामीबिया, श्रीलंका, नीदरलैंड, यूएई और गुप बी में वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड, आयरलैंड और जिम्बाब्वे शामिल हैं। पहले दौर में किसी भी जीत पर 40,000 डॉलर दिए जाएंगे। इस तरह से 12 मैचों में कुल 480,000 डॉलर की पुरस्कार राशि दी जाएगी। पहले दौर में बाहर होने वाली चार टीम में से प्रत्येक को 40,000 डॉलर मिलेंगे। टी20 विश्व कप 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया में खेला जाएगा।

ईरानी कप: सौराष्ट्र और शेष भारत के बीच मुकाबला, इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

राजकोट (एजेंसी)।

अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा जब ईरानी कप मुकाबले में शनिवार को यहां सौराष्ट्र की ओर से शेष भारत के खिलाफ उतरेगे तो वह प्रभावशाली पारी खेलकर राष्ट्रीय टीम की योजनाओं में प्रासंगिक बने रहने की कोशिश करेंगे। शेष भारत की टीम में इस मुकाबले के लिए पांच विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाजों को जगह मिली है।

मध्य प्रदेश 2021-22 रणजी ट्रॉफी चैंपियन है लेकिन सौराष्ट्र 2019-20 चैंपियन होने के कारण ईरानी ट्रॉफी का यह मैच खेल रहा है क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण लगातार दो सत्र तक यह मुकाबला आयोजित नहीं हो पाया था। वे दिन गए जब शेष भारत बनाम रणजी चैंपियन का मुकाबला राष्ट्रीय टीम के ट्रायल मुकाबले की तरह हुआ करता था जहां अच्छे प्रदर्शन करने पर राष्ट्रीय टीम के जगह मिलना सुनिश्चित माना जाता था। ईरानी कप 2022 राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की कोशिश में जुटे खिलाड़ियों के लिए प्रासंगिक बने रहने का मौका है और टीम में अधिकतर ऐसे खिलाड़ियों को जगह मिली है जो हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 'ए' श्रृंखला का



हिस्सा थे। सौराष्ट्र की टीम के पास पुजारा के रूप में अनुभवी टेस्ट खिलाड़ी है जो बांग्लादेश में होने वाली श्रृंखला से पहले टीम में अपना दबाव मजबूत करना चाहेंगे।

पुजारा ने ससेक्स की ओर से लाल गेंद और स्फेद गेंद (लिस्ट ए) दोनों में स्विपल प्रदर्शन किया लेकिन चयनकर्ता टेस्ट मैच में उनके साथ बने रहेंगे या नहीं, यह देखा जाएगा। पुजारा ने हालांकि अपने घरेलू मैदान पर डेरां रन बनाए हैं और वह उमरान मलिक, कुलदीप सेन और अर्जुन नागवासवाला जैसे युवा तेज गेंदबाजों के अलावा आर साई किशोर और सौरभ कुमार जैसे नवोदित स्पिनरों को मुश्किलें बढ़ा सकते

हैं। शेष भारत के सामने शुरुआती समस्या सलामी बल्लेबाजों की अधिकता है जो सभी काफी अच्छे फॉर्म में हैं।

टीम में पांच सलामी बल्लेबाजों को जगह मिली है। प्रियांक पांचाल और अभिमन्यु ईश्वरन की भारत 'ए' की सलामी जोड़ी ने न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन किया जबकि दलीप ट्रॉफी में यशस्वी जायसवाल ने फाइनल में 265 रन बनाए। इसके अलावा टेस्ट सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल हैं जो राष्ट्रीय टीम में वापसी करने की कोशिश में जुटे हैं। युवा यश ठुल भी टीम का हिस्सा हैं जिन्होंने अपने पदार्पण सत्र में पांच प्रथम श्रेणी में 770 रन बनाए।

विकेटकीपर कोना भरत के अलावा केवल कप्तान हनुमा विहारी और फॉर्म में चल रहे सरफराज खान टीम में शामिल हो विशेषज्ञ बल्लेबाज हैं। सौराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई जयदेव उनादकट करेंगे। टीम के पास चेतन सकारिया भी हैं जो गेंद को दारुण हाथ के बल्लेबाजों के लिए अंदर ला सकते हैं। धीमी बल्लेबाजी सतह पर तीसरे दिन से दोनों टीम के स्पिनरों की भूमिका अहम हो सकती है।

बुमराह टी20 के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, टीम इंडिया को खलेगी उनकी कमी: जोश हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने शुक्रवार सुबह सिडनी में कहा कि टीम इंडिया को वास्तव में टी20 विश्व कप के दौरान अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। उन्होंने कहा जहां तक मेरा सवाल है वह टी20 में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। उनका आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेला, भारत में पिछले कुछ मैचों में अविश्वसनीय यॉर्कर और उनकी गति में बदलाव अभूतपूर्व है। भारतीय टीम वास्तव में इन सब चीजों की कमी महसूस करेगी। भारतीय तेज गेंदबाजों के अगुआ जसप्रीत बुमराह चोटिल होने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं, जो कि अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आईसीसी प्रतियोगिता से पहले टीम के लिए बहुत बड़ा झटका है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि बुमराह पीठ दर्द की गंभीर समस्या से परेशान हैं और उन्हें महीने तक टीम से बाहर रहना पड़ सकता है। बीसीसीआई अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा यह तय है कि बुमराह टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे। उन्हें पीठ दर्द की परेशानी है। उन्हें छह माह तक बाहर रहना पड़ सकता है। स्ट्रेस फ्रैक्चर में हड़्डी में एक छोटी सी दरार हो जाती है, यह समस्या खिलाड़ियों में काफी आम होती है। हड़्डी की चोट पर आरंभ शुरू से ध्यान न दिया जाए तो यह स्ट्रेस फ्रैक्चर में बदल सकता है। स्ट्रेस फ्रैक्चर से निपटने लिए किसी सर्जरी की जरूरत नहीं होती है, लेकिन इससे उबरने में काफी समय लगता है।

महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने कहा- हम सही प्रगति कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार स्ट्राइकर वंदना कटारिया का मानना है कि टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सही प्रगति कर रही है और खिलाड़ियों का ध्यान लक्ष्य तय करने और उन्हें हासिल करने पर लगा हुआ है। भारत की तरफ से 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली वंदना ने कहा की विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के कारण अब विश्व में भारतीय महिला हॉकी को पहचान मिलने लगा गई है।

भारतीय टीम में सुधार का सबूत एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) स्टार अवार्ड्स के लिए कई खिलाड़ियों का नामांकन है। भारतीय कप्तान सविता को जहां वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए



नामित किया गया है वहीं मुताज खान को वर्ष की उदीयमान स्टार और मुख्य कोच यानिक शॉपमैन को वर्ष के कोच पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

वंदना ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मेरा मानना है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। तीन या चार साल पहले टीम बमुरिकल किसी पुरस्कार के लिए नामित हो पाती थी क्योंकि हमारा प्रदर्शन स्तरीय नहीं था। लेकिन अब हम अंतरराष्ट्रीय हॉकी में सही प्रगति कर रहे हैं और हमारे प्रदर्शन को पहचान मिल रही है।'

उन्होंने कहा, 'इस तरह की पहचान मिलने से बहुत अच्छे लगता है जिससे पता चलता है कि हमारा प्रदर्शन दुनिया की शीर्ष टीम के बराबरी पर है लेकिन अभी हमें पांव जमीन पर रखकर अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए।' वंदना ने कहा, 'हमने टीम के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्य तय किए हैं और हम खेल के प्रत्येक विभाग पर ध्यान दे रहे हैं।'

टी20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान गेंदबाज हारिस रऊफ ने भारत को चेताया, एमसीजी मेरा घरेलू मैदान

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को बिग बैश लीग खेलने के अपने अनुभव के दम पर भारत के खिलाफ 23 अक्टूबर को होने वाले टी20 विश्व कप के मुकाबले में कामयाबी मिलने का पूरा यकीन है। आपसी राजनीतिक तनाव के कारण भारत और पाकिस्तान द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेलते हैं। एमसीजी पर होने वाला यह मुकाबला एक साल के अंदर उनका चौथा मुकाबला होगा। रऊफ ने कहा, 'आमर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सका तो उनके लिये मुझे खेल पाना आसान नहीं होगा। मैं बहुत खुश हूँ कि यह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर हो रहा है।'

'रऊफ बीबीएल में मेलबर्न स्टाड्स के लिये खेलते हैं।

उन्होंने कहा, 'यह मेरा घरेलू मैदान है क्योंकि मैं मेलबर्न स्टाड्स के लिये खेलता हूँ। मुझे पता है कि वहां कैसे खेलना है। मैंने रणनीति बनानी भी शुरू कर दी है कि भारत के खिलाफ कैसे गेंदबाजी करनी है।' पाकिस्तान ने पिछली बार यूएई में हुए टी20 विश्व कप में भारत को दस विकेट से हराया था जो विश्व कप में भारत पर उसकी पहली जीत थी। एशिया कप के ग्रुप चरण में भारत ने उसे चार विकेट से हराया लेकिन सुपर चार चरण में हार गया। रऊफ ने कहा, 'भारत और पाकिस्तान के मैचों में काफी दबाव रहता है विश्व कप में मैंने वह दबाव महसूस किया। लेकिन एशिया कप में पिछले दो मैचों में वह दबाव महसूस नहीं हुआ क्योंकि मुझे पता था कि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।'

एवं जर्क में 105 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम किया। ओडिशा की स्नेहा सोरेन ने कुल 169 किग्रा (स्नैच में 73 किग्रा, क्लीन एवं जर्क में 96 किग्रा) भार उठाकर कांस्य पदक जीता। स्नैच में मीराबाई ने अपने पहले ही प्रयास में 81 किग्रा वजन उठाकर शुरुआती बढ़त हासिल कर ली।

उन्होंने दूसरे प्रयास में 84 किग्रा वजन उठाकर मणिपुर की अपनी साथी भारोत्तोलक संजीता पर दो किग्रा की बढ़त बनाई जो अपने पहले दो प्रयास में 80 किग्रा और 82 किग्रा वजन ही उठ सकीं। संजीता के 84 किग्रा के तीसरे प्रयास को फाउल करार दिया गया। मीराबाई ने अपनी ऊर्जा बचाना पसंद किया और तीसरे प्रयास के लिए नहीं आईं। क्लीन एवं जर्क में संजीता ने अपने पहले प्रयास में 95 किग्रा भार उठाया और फिर सफलतापूर्वक 100 और 105 किग्रा वजन उठाया।

पार्मा ओपन: मैरीना जानेवस्का को हकाकर सेमीफाइनल में पहुंची मारिया सक्कारी

पार्मा (इटली)। शीर्ष वरियता प्राप्त मारिया सक्कारी ने विश्व में 97वीं रैंकिंग की मैरीना जानेवस्का को तीन सेट तक चले मुकाबले में



2-6, 6-4, 6-4 से हराकर पार्मा ओपन महिला टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सक्कारी सेमीफाइनल में उंका कोविनिच से भिड़ेगी जिन्होंने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में जैस्मीन पाओलिनी को 6-4, 6-4 से हराया। इस बीच मिस्र की मेयर शेरिफ ने अमेरिका की लॉरेन डेविस को 7-6 (2), 6-3 से हराकर अपने करियर के दूसरे

सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शेरिफ का सामना अब एना बोगडान से होगा, जिन्होंने रोमानिया की इरिना कामेलिया बेगू को 6-2, 7-6 (6) से पराजित किया।

रूस की लागनों काटेरयना नें जीती नूर सुल्तान फीडे ग्रां प्री, भारत की वैशाली को छटा स्थान



नूर सुल्तान, कजाकिस्तान। विश्व महिला शतरंज चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा फीडे ग्रां प्री सीरीज का पहला पड़ाव नूर सुल्तान में पूरा हो गया है और इसमें रूस की लागनों काटेरयना ने शानदार खेल दिखाते हुए पहला स्थान हासिल लिया है। दुनिया भर की 12 चर्चित होकर आई खिलाड़ियों के बीच हुए राउंड रॉबिन आधार के 11 राउंड के बाद लागनों 8 अंक बनाकर पहले स्थान पर रही, इस दौरान अपराजित रहते हुए उन्होंने 5 मैच जीते तो 6 मुकाबले ड्रॉ खेले। रूस की अलेक्जेंड्रा गारायाचकिना 7.5 अंक बनाकर दूसरे तो चीन की जू जिनेर 6.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रही। 6 अंक बनाकर रूस की अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुको चौथे तो मेजबान कजाकिस्तान की अब्दुमालिक जहंसाया 5.5 अंको के साथ पांचवें स्थान पर रही। कोनुरे हम्मो के हटने के बाद अंतिम समय में टूर्नामेंट में शामिल हुईं भारत की आर वैशाली 5 अंक बनाकर छठे स्थान पर रही। वैशाली ने पहले बार इस स्तर की प्रतियोगिता में खेलते हुए अपनी छाप छोड़ी और 8 ड्रॉ, 1 जीत और 2 हार के साथ सबको प्रभावित करने में कामयाब रही। अन्य खिलाड़ियों में जर्मनी की दिनारा वागनेर, चीन की तान ज्हांगई, जर्मनी की पहतेज एलिजाबेथ, कजाकिस्तान की असोबाएवा बीबिसारा, पोलैंड की अलिना काशालिनस्वया और रूस की पोलिना शुवालोवा क्रमशः सातवे से बारहवें स्थान पर रही।

राष्ट्रीय खेल भारोत्तोलन: मीराबाई ने संजीता को पछाड़कर 49 किग्रा वर्ग में जीता गोल्ड



गांधीनगर (एजेंसी)।

ओलिंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने शुक्रवार को यहां 36वें राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं की भारोत्तोलन स्पर्धा

के 49 किग्रा वर्ग में 191 किलोग्राम भार उठाकर अपेक्षित रूप से स्वर्ण पदक जीता। अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली मीराबाई ने स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एवं जर्क

में 107 किग्रा भार उठाकर खिताब अपने नाम किया। अपने दूसरे राष्ट्रीय खेलों में भाग ले रही मीराबाई ने खुलासा किया कि उनकी बाई कलाई में चोट है इसलिए वह दोनों वर्गों में अपने तीसरे प्रयास के लिए नहीं उतरतीं। मीराबाई ने कहा, 'हाल ही में एनआईएस पटियाला में प्रशिक्षण के दौरान मेरी बाई कलाई में चोट लग गई थी जिसके बाद मैंने सुनिश्चित किया कि मैं अधिक जोरिख नहीं लूँ। विश्व चैंपियनशिप भी दिसंबर में होनी है।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय खेलों में मणिपुर का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व का क्षण है और जब मुझे उद्घाटन समारोह में दल का नेतृत्व करने के लिए कहा गया तो उत्साह दोगुना हो गया। आम तौर पर उद्घाटन समारोह में शामिल होना बहुत स्वस्थ होता है क्योंकि मेरी स्पर्धाएं आगे दिन जल्दी शुरू होती हैं लेकिन मुझे लगा

कि मुझे इस बार खुद को चुनौती देनी चाहिए।' अगले साल एशियाई खेलों में पहला पदक जीतने का लक्ष्य रखने वाली मणिपुर की यह खिलाड़ी वर्तमान में रहना पसंद करती हैं और उनका ध्यान विश्व चैंपियनशिप पर केंद्रित है जहां उनका सामना एशिया के बड़े भारोत्तोलकों से होने की उम्मीद है। इस 28 वर्षीय भारोत्तोलन ने कहा, 'हां मेरे पास एशियाई खेलों का पदक नहीं और यह कुछ ऐसा है जो मेरे दिमाग में है। पीठ की चोट के कारण 2018 सत्र से बाहर होने के बाद यह मेरे पहले एशियाई खेल होंगे।' एशियाड में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत अच्छे होगा लेकिन मेरा ध्यान अभी विश्व चैंपियनशिप पर है जहां मुझे उन्हीं भारोत्तोलकों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा।' संजीता चानू ने कुल 187 किग्रा (स्नैच में 82 किग्रा, क्लीन



प्रमुख क्षेत्रीय अधिकारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



अनुगामिनी नि.सं.
सोरेंग, 30 सितम्बर। संशोधित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों पर आज स्थानीय गवर्नमेंट बीएड कॉलेज सभागार में प्रमुख क्षेत्रीय अधिकारियों के लिए एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम सह जिलास्तरीय रिट शॉप का आयोजन किया गया। हाल ही में डीपीपीएसी (जिला पंचायत प्रदर्शन मूल्यांकन समिति) की हुई बैठक के बाद आयोजित उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसआईआरडी, कारफेक्टर की संयुक्त निदेशक श्रीमती चंद्र कला राई और सोरेंग जिला पंचायत डीपीओ दिलीप शर्मा रिसोर्स पर्सन थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में पुरस्कार विजेताओं के चयन हेतु सरकारी पोर्टल में ऑनलाइन डाय की फाइलिंग प्रक्रिया के बारे में प्रमुख पदाधिकारियों को परिचित और प्रशिक्षित किया गया। वहीं इसमें नौ निर्धारित विषयों के तहत प्रश्नावली, दस्तावेज प्रक्रिया, अपलोड प्रक्रिया और अन्य सभी आवश्यक आधारभूत कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर सोरेंग जिला कलेक्टर सह डीपीपीएसी अध्यक्ष भीम टटाल ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत में पुरस्कारों के लिए दिशा-निर्देशों की जानकारी प्रदान की और उन्हें उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से अवगत कराया।

इसके साथ ही उन्होंने डाटा अपलोड करते समय मानदंडों का पालन सुनिश्चित किये जाने की बात दोहरायी। इसके अलावा उन्होंने इस प्रक्रिया के दौरान सभी हितधारकों और सम्बंधित विभागों में एक समन्वित दृष्टिकोण होने की बात भी कही।

उन्होंने कहा कि सही उम्मीदवार के चयन से न केवल जिले के लिए बल्कि राज्य के लिए भी सम्मान प्राप्त होगा। वहीं इससे पहले एडीसी विकास गायस पेगा ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राप्त जानकारी का अधिकतम लाभ उठाने और चयन प्रक्रिया के दौरान इसे लागू करने के लिए कहा।

जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा सम्पन्न



अनुगामिनी का.सं.
गंगटोक, 30 सितम्बर। गोविन्द बल्लभ पंत, राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के सिक्किम क्षेत्रीय केन्द्र पांगथांग परिसर में 14 से 28 सितम्बर के मध्य हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ सर्वथम 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर सभी अधिकारी, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों द्वारा हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने हेतु शपथ लेकर किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में डॉ० पंकज सैनी, निदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, गंगटोक कार्यक्रम के विभिन्न अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने हिन्दी भाषा के महत्व एवं बढ़ावा पर जोर दिया। पखवाड़ा के समापन समारोह का आयोजन 29 सितम्बर 2022 को

संस्थान के पर्यावरण परिसर में किया गया। इस अवसर पर संस्थान में विभिन्न प्रकार के हिन्दी भाषा आधारित कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समापन कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों तथा शोधार्थियों ने आभुषण, नारा/स्लोगन एवं स्वरचित कविताओं का पाठन किया। दो हफ्ते तक चले हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत समूह विवज प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता, हिन्दी मानक वर्तनी, अंग्रेजी हिन्दी अनुवाद एवं हिन्दी व्याकरण प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, पोस्टर एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता, हिन्दी श्रुतलेख प्रतियोगिता, समूह अंताक्षरी प्रतियोगिता (दोहा, छन्द, भजन,

अलंकार, कविता) का आयोजन किया गया। इसके आयोजन में वैज्ञानिक-डी डॉ देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक-सी डॉ मयंक जोशी, तकनीकी अधिकारी डॉ कैलाश सिंह गैड़ा एवं लिपिक सुश्री वैशाली रानी का सहयोग रहा। अन्त में क्षेत्रीय प्रमुख डॉ राजेश ने भी हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही सिक्किम क्षेत्रीय केन्द्र के हिन्दी राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की तथा सिक्किम क्षेत्रीय केन्द्र की राजभाषा समिति के सदस्यों को पुरस्कृत भी किया। अन्त में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को क्षेत्रीय प्रमुख के द्वारा पुरस्कृत एवं प्रमाण-पत्र वितरण करने के साथ-साथ शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

ट्विन सिटी, मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी हब होगा गुजरात : पीएम मोदी

अहमदाबाद, 30 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात जल्द ही ट्विन सिटी के मॉडल और मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी हब में बदल जाएगा।

शुक्रवार की सुबह उन्होंने गांधीनगर से वंदे-भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और अहमदाबाद की यात्रा की। अहमदाबाद के कालूपुर रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद, उन्होंने अहमदाबाद मेट्रो ट्रेन के पहले चरण को झंडी दिखाकर रवाना किया और सार्वजनिक रेली स्थल तक पहुंचने के लिए पश्चिमी अहमदाबाद के दूरदर्शन चौक पर उतरे।

उन्होंने अहमदाबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा। पीएम मोदी ने अहमदाबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, अहमदाबाद-गांधीनगर जुड़वां शहर का अच्छा उदाहरण बन गया है, अब इसे राज्य के अन्य हिस्सों जैसे नडियाद-आनंद, वडोदरा-हलोल-कलोल, भरूच-अंकलेश्वर, सूरत-नवसारी, वलसाड-वापी, मोरबी-वंकानेर और मेहसाणा-कादी में दोहराया जाएगा। इन शहरों में मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और शहरी बुनियादी सुविधाएं होंगी।

उन्होंने कहा कि ये ट्विन सिटी, अर्बन सिटीज डेवलपमेंट और विकास अगले 25 वर्षों में एक विकसित भारत के मानदंड होने जा रहे हैं।

उन्होंने लोगों से मेट्रो स्टेशनों



और अन्य बुनियादी ढांचे का दौरा करने की अपील की, ताकि वे देख सकें कि विकास कैसे किया जाता है, और इसमें जनता का कितना पैसा लगाया जाता है। जब लोग यह जान लेंगे, तो वे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के बारे में कभी नहीं सोचेंगे, क्योंकि उन्हें इसके मालिक होने का एहसास होगा।

मेट्रो ट्रेनों और भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि कम से कम एक दर्जन शहरों में मेट्रो ट्रेन परियोजनाएं या तो पूरी हो गई हैं या जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। वंदे भारत की 75 ट्रेनों को अगले साल तक चलाने की योजना है। प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों को आड़े हाथ लिया और कहा कि जब भी वे बुनियादी ढांचे के बारे में सोचते हैं तो वे लागत की गणना करते हैं, जबकि उनकी सरकार बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के साथ-साथ व्यापार और उद्योगों को बढ़ावा देने के बारे में सोचती है। मेट्रो ट्रेन हो या वंदे भारत या बुलेट ट्रेन, यह सब वैश्विक व्यापार की मांग को देखते हुए योजनाबद्ध है।

पोषण माह का हुआ समापन

अनुगामिनी नि.सं.
सोरेंग, 30 सितम्बर। सिक्किम के महिला व बाल कल्याण विभाग के तत्वावधान में आयोजित माहव्यापी पोषण माह अभियान का आज यहाँ रंगारंग समापन हुआ। इस अवसर पर सोरेंग सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सोरेंग च्याखुंग विधायक आदित्य गोले मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके अलावा कार्यक्रम में खेल व युवा मामलों के सलाहकार एमएन सुब्बा, कौशल विकास अध्यक्ष विनोद बनेत, डीसी सोरेंग भीम टटाल, एडीसी धीरज सुबेदी, एडीसी विकास गायस पेगा, मुख्य वेतन एवं लेखा अधिकारी केबी सुब्बा, एडीसी रंजन राय, सीडीपीओ श्रीमती गौरी तामंग के

अलावा महिला व बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं फोल्ड कर्मी व पंचायतगण भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में सीडीपीओ सोरेंग श्रीमती गौरी तामंग ने द्वारा पोषण माह अभियान के दौरान की गतिविधियों पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। वहीं मुख्य अतिथि विधायक आदित्य गोले ने अपने सम्बोधन में पोषण माह अभियान के दौरान जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न विषय आधारित गतिविधियों के आयोजन हेतु विभागीय अधिकारियों और फोल्ड कर्मियों को सराहना करते हुए बच्चों के समग्र विकास में आईसीडीएस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आईसीडीएस कार्यकर्ता युवा दिमागों का पोषण



करते हैं जो राज्य और देश का भविष्य हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को इसी उत्साह के साथ सेवा हेतु प्रेरित रहने का आग्रह किया। वहीं कार्यक्रम में विभिन्न अंचलों द्वारा कविता, खेल, नृत्य, गीत आदि की प्रस्तुति दी गयी। साथ

ही इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया। इससे पहले मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य लोगों ने जिले के सभी छह अंचलों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया।

स्थानीय निकायों की मदद से पोषण माह का उद्देश्य किया जा सकता है हासिल : मंत्री खरेल

अनुगामिनी का.सं.
गंगटोक, 30 सितम्बर। सिक्किम की राजधानी गंगटोक के जीरो प्वायंट में आज 5वें राष्ट्रीय पोषण माह का समारोहपूर्वक समापन समारोह हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्य के महिला व बाल विकास विभाग मंत्री संजीत खरेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वहीं उनके अलावा कार्यक्रम में गंगटोक नगर निगम के मेयर नेल बहादुर छेत्री, डिप्टी-मेयर श्रीमती छिरिंग पाल्देन, ईडीजेडपी अध्यक्ष शमशेर राई, समाज कल्याण विभाग के सचिव छेवांग ग्याछो, महिला व बाल विकास सचिव गंगा डी. प्रधान के अलावा विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद थे।



वाली प्रथाएं स्थापित करना ही प्रमुख उद्देश्य है। इसके अलावा उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि माहव्यापी इस कार्यक्रम के दौरान राज्य में कुपोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म और किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और बच्चों में एनीमिया के स्तर को कम करने का प्रयास किया गया है। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में सभी हितधारकों के योगदान की सराहना की। वहीं महिला व बाल विकास सचिव श्रीमती गंगा डी. प्रधान ने बताया कि गत 1 सितंबर 2022 को

राज्य, जिला, ब्लॉक और सेक्टर स्तरों पर शुरू हुआ 5वां राष्ट्रीय पोषण माह अभियान बहुत सफल रहा है। उनके अनुसार यह पोषण माह चार प्रमुख विषयों-महिला और स्वास्थ्य, बच्चा और शिक्षा-पोषण भी पढ़ाई भी, लिंग संवेदनशील जल संरक्षण प्रबंधन और जनजातीय क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के लिए पारम्परिक भोजन-पर केंद्रित रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी यह गतिविधि नियमित रूप से होनी चाहिए। वहीं उन्होंने इस पोषण माह की सफलता हेतु आईसीडीएस और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को

सराहना की। इस अवसर पर श्रीमती प्रधान ने पोषण माह गतिविधियों के सभी विजेताओं को बधाई देते हुए सभी सदस्यों से कुपोषित बच्चों की पहचान और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने जैसी अपनी गतिविधियां जारी रखने को कहा। इस दौरान महिला व बाल विकास विभाग की टीम द्वारा 5वें राष्ट्रीय पोषण माह पर एक संक्षिप्त वीडियो रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। साथ ही माहव्यापी कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पहलों के लिए टीमों को पुरस्कृत भी किया गया।

डियर लॉटरी

1.00 PM
6.00 PM
8.00 PM

1

पहले पुरस्कार ₹

टिकट की कीमत

केवल ₹6

करोड़

(Including Super Prize Amount)

*ON SALE OF 1st PRIZE TICKET

SELLER INCENTIVE SCHEME*

SELLER	SUB STOCKIST	STOCKIST
₹ 1,00,000	₹ 15,000	₹ 10,000

*Scheme given by: AREA DISTRIBUTOR

DEAR LOTTERIES

ने बनाए हैं

1719

करोड़पति

₹ 5 Crores x 11, ₹ 2.50 Crores x 6, ₹ 2.10 Crores x 4, ₹ 2 Crores x 7, ₹ 1.50 Crores x 3, ₹ 1.25 Crores x 8, & ₹ 1 Crore x 1680 WINNERS (From 16.04.2019 to 11.09.2022)

₹5 करोड़ विजेता

DEAR DIWALI PUJA	DEAR DURGA PUJA	DEAR BAIKASHI	DEAR MAHASHIVRATRI	DEAR 2000
<p style="font-size: 8px;">Mr. SUNIL BISWAS Ticket No. 150115 Draw Date: 04.11.2021</p>	<p style="font-size: 8px;">Mr. RIPAN SARKAR Ticket No. 90418 Draw Date: 15.10.2021</p>	<p style="font-size: 8px;">Mr. RAJKANT PATIL Ticket No. 212033 Draw Date: 19.04.2021</p>	<p style="font-size: 8px;">Mr. VIVEK KUMAR Ticket No. 406692 Draw Date: 12.03.2021</p>	<p style="font-size: 8px;">Mr. RAJIV KUMAR Ticket No. 19 2943 Draw Date: 21.11.2020</p>
DEAR DIWALI	DEAR 2000	DEAR MONTHLY	DEAR LOHRI	DEAR DIWALI
<p style="font-size: 8px;">Mr. SK SUREDHOSAIN Ticket No. G 17947 Draw Date: 14.11.2020</p>	<p style="font-size: 8px;">Mr. DEBNORA AGARWALA Ticket No. 19 2452 Draw Date: 07.11.2020</p>	<p style="font-size: 8px;">Mr. GANESH PRAJAD VARMA Ticket No. 38888 Draw Date: 03.03.2020</p>	<p style="font-size: 8px;">Mr. NARESH CHHETRI Ticket No. 80A 8707 Draw Date: 14.01.2020</p>	<p style="font-size: 8px;">Mr. SILJEN SARKAR Ticket No. L14396 Draw Date: 02.11.2019</p>

FOR TICKETS & TRADE ENQUIRIES, CALL:

SIKKIM 77193-66998

क्या आप अगले करोड़पति हैं?

टिकटें सभी लॉटरी काउंटरों पर उपलब्ध हैं